मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

संवत 2082, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 84, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ विश्व को चौंकाती भारत की आर्थिक विकास दर

मनोज पाहवा की उम्मीदों पर फेरा पानी ◂◂ 6

हजारीबाग में भीषण सड़क हादसा

डिवाइडर से टकराई कार, 3 की मौत, 6 घायल

शादी में शामिल होने बिहार जा रहा था परिवार , मची चीख-पुकार

संवाददाता

हजारीबाग: जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि छह लोग घायल हो गए हैं। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस मामले की वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला जिले के बरही थाना अंतर्गत पंचमाधव गंगटाही पुल के पास का है। बताया जा रहा है कि आज यानी बुधवार सुबह यहां भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक स्विफ्ट कार फोरलेन सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे स्विफ्ट कार बुरी तरह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि छह लोग घायल हुए हैं। घायलों में पांच को बेहतर इलाज को सदर अस्पताल रेफर किया गया। मृतकों में श्रीनाथ यादव की पत्नी पूनम देवी (55 वर्ष), जय भगवान यादव (40 वर्ष) और अंशिका कुमारी (10 वर्ष) शामिल हैं। परिवार के अन्य छह सदस्य भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें धर्मेंद्र यादव (35 वर्ष), शिवम कुमार (12 वर्ष), अभिराज कुमार, मृत्युंजय कुमार (8 वर्ष), कौशल्या देवी (जय भगवान की पत्नी) और ज्योति कुमारी (24 वर्ष) हैं। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद पांच को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, धर्मेंद्र यादव और शिवम कुमार की हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक सभी एक ही परिवार के लोग आसनसोल कुल्टी से बिहार शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान हादसा हो गया। वहीं, हादसे के दौरान मौके पर चीख-पुकार मच गई। मृतकों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

जंगल से युवती का क्षत-विक्षत शव बरामद, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

खूंटी: जिले के कर्रा थाना क्षेत्र के मुरहू-कटमकुकु जंगल से कर्रा पुलिस ने नग्न अवस्था में सिर कुचला एक युवती का शव बरामद किया है। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और युवती की शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इंस्पेक्टर अशोक सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि युवती की शिनाख्त के लिए असपास के गांव, टोलो एवं थानों से मदद ली जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच के लिए टीम बना दी गई है। जल्द ही मामले का खुलासा हो जाएगा। कर्रा पुलिस को ग्रामीणों द्वारा सूचना मिली कि मुरहु-काटमकुकु जंगल के नग्न अवस्था पर सिर कुचला हुआ एक युवती का शव पड़ा हुआ है।

सूचना पर कर्रा पुलिस मुरहु-कटमाकुकु जंगल पहुंची। जहां देखा कि जंगल के पगडंडी से करीब 20-25 फिट अंदर सिर कुचला हुआ नग्न अवस्था में एक युवती का शव पड़ा हुआ है। शव देखने से प्रतीत होता है कि घटना चार-पांच दिन पहले की है। युवती का दुष्कर्म करके बुरी तरह से हत्या कर दी गई और साक्ष्य छुपाने के लिए युवती का सिर कुचल दिया गया है। घटनास्थल से कर्रा पुलिस को सिर कुचला हुआ पत्थर, मृतक युवती का बाल, जबड़े की हड्डी का टुकड़ा समेत कुछ कपड़े मिले हैं।

बताया जाता है कि ग्रामीणों ने मुरहु-काटमकुकु जंगल में लोधमा आने-जाने वाले मुख्य सड़क पर मांस सड़ने जैसे दुर्गंध महसूस किया। जिसके बाद खोजबीन की तो ग्रामीणों ने देखा कि नग्न अवस्था में सिर कुचला हुआ एक युवती का शव पड़ा हुआ है, जिसमें कीड़ा-मकौड़े लगे हुए हैं और शव के एक हाथ को जंगली जानवरों ने नोच खरोंच कर खा लिया है। इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की जानकारी कर्रा पुलिस को दी।

जिस इलाके में युवती का शव बरामद हुआ है, वह कुलहुटू, काटमकुकु, मुरहू व लोधमा गांव, खूंटी और रांची जिला का बॉर्डर एरिया है। जहां अपराधियों द्वारा इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया जाता है। फिलहाल कर्रा पुलिस शव की पहचान व पुष्टि करने में जुटी हुईं हैं और थाना क्षेत्र में घर से लापता युवती की जानकारी इकट्ठा कर रही है।

रेलयात्रियों के लिए जरुरी खबर, झारखंड से गुजरने वाली कई ट्रेनें फरवरी 2026 तक रद्द

संवाददाता

रांची: सर्दियों के बढ़ते घने कोहरे से रेल परिचालन प्रभावित होने के कारण भारतीय रेलवे ने झारखंड से होकर गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया है।

फरवरी 2026 तक टाटानगर, रांची और हटिया से चलने वाली मुख्य एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन पर रोक

सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रेलवे ने 1 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक टाटानगर, रांची और हटिया से चलने वाली मुख्य एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया है।

1 दिसंबर से 25 जनवरी 2026 तक बंद रहेगी ये ट्रेन

कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से ट्रेनों की गति धीमी पड़ रही थी, जिससे विलंब और जोखिम बढ़ रहा था। रद्द की गई प्रमुख ट्रेनों में ट्रेन नंबर 18103 टाटानगर-अमृतसर एक्सप्रेस शामिल है, जो 1 दिसंबर से 25 जनवरी 2026 तक बंद रहेगी।

3 दिसंबर से 27 मार्च 2026 तक ये ट्रेन रद्द

गाड़ी संख्या 18104 अमृतसर-टाटा एक्सप्रेस 3 दिसंबर से 27 मार्च 2026 तक रद्द रहेगी।

1 दिसंबर से 2 मार्च 2026 तक रद्द होने वाली ट्रेन

गाड़ी संख्या 22857 सांतरागाछी-आनंद विहार एक्सप्रेस 1 दिसंबर से 2 मार्च 2026 तक रद्द रहेगी।

2 दिसंबर से 3 मार्च तक ये ट्रेन प्रभावित रहेगी : गाड़ी संख्या 22858 आनंद विहार-सांतरागाछी एक्सप्रेस 2 दिसंबर से 3 मार्च तक प्रभावित रहेगी।

हटिया क्षेत्र की इन ट्रेनों के परिचालन पर लगेगा ब्रेक

वहीं हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस (12873) 1 दिसंबर से 26 फरवरी और आनंद विहार-हटिया एक्सप्रेस (12874) 2 दिसंबर से 27 फरवरी तक रद्द रहेगी। हटिया क्षेत्र की अन्य ट्रेनें भी विशिष्ट तारीखों पर रद्द होंगी। हटिया-झारसुगुड़ा-हटिया एक्सप्रेस (18175-18176) 20, 23, 27, 30 दिसंबर और 3, 6, 10, 13, 17, 20 जनवरी को बंद रहेगी। हटिया-राउरकेला पैसेंजर (58659) 20, 21, 23, 27, 30 दिसंबर तथा 3, 6, 10, 13, 17, 20 जनवरी को रद्द होगी। राउरकेला-हटिया पैसेंजर (58660) 21, 24, 28, 31 दिसंबर और 4, 7, 11, 14, 18, 21 जनवरी को प्रभावित रहेगी।

यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था अपनानी होगी : यह निर्णय पूर्व रेलवे के मालदा मंडल सहित झारखंड रूट्स पर लिया गया है, जहां कोहरा ट्रेन संचालन के लिए बड़ा खतरा बन रहा है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पूर्व इंटरनेट या हेल्पलाइन से ट्रेन स्थिति जांचें और बस या हवाई यात्रा जैसे विकल्प अपनाएं। स्थिति सामान्य होने पर ट्रेनें बहाल की जाएंगी।

बांग्लादेश से भारत आ सकेंगी गर्भवती महिला और उसका बच्चा, सुप्रीम कोर्ट ने मानवीय आधार पर दी मंजूरी

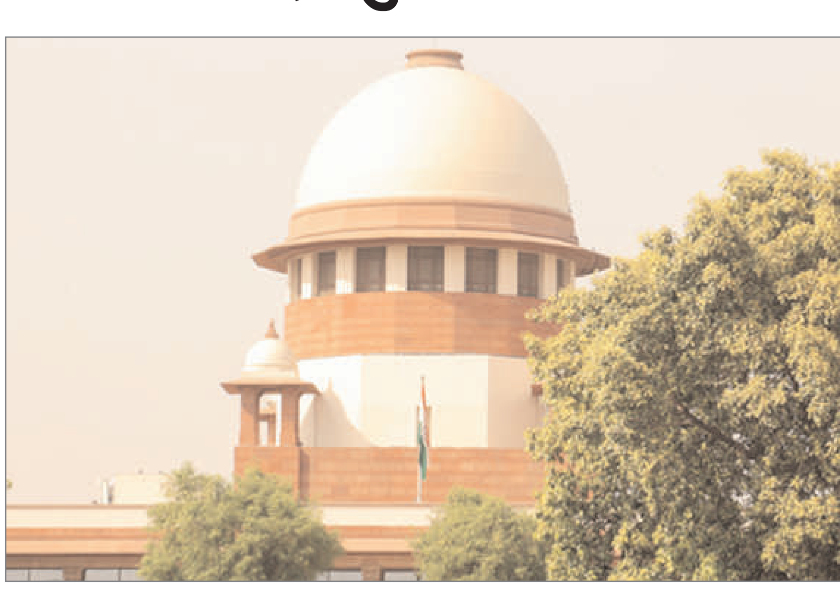

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने मानवीय आधार पर बांग्लादेश की एक गर्भवती महिला और उसकी आठ वर्षीय बेटी को भारत में प्रवेश की इजाजत दे दी है। बताया गया है कि इस महिला को कुछ महीने पहले सीमा पार करा बांग्लादेश भेज दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार को बच्चे की देखभाल का निर्देश दिया और बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को गर्भवती महिला सुनाली खातून को हरसंभव चिकित्सीय सहायता देने को कहा।

बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील को रिकॉर्ड पर लिया कि केंद्र सरकार का सक्षम प्राधिकरण मानवीय आधार पर महिला और उसके बच्चे को देश में प्रवेश देने पर सहमत है और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सुनाली और उसकी बेटी को दिल्ली वापस लाया जाएगा। 27 जून को उन्हें यहीं से बांग्लादेश निर्वासिय किया गया था।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और संजय हेगड़े ने याचिकाकर्ता की तरफ से पेश होते हुए अदालत से कहा कि सुनाली के पति समेत अन्य लोग भी बांग्लादेश में फंसे हुए हैं, जिन्हें भारत लाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए एसजी मेहता को केंद्र से इसके लिए आगे के निर्देश लेने चाहिए। हालांकि, सॉलिसिटर जनरल ने मेहता ने इस दावे का विरोध किया कि बांग्लादेश में फंसे सभी लोग भारतीय नागरिक हैं। उनका कहना था कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और सिर्फ मानवीय आधार पर ही महिला और उसकी बेटी को भारत में प्रवेश दिया जा रहा है।

महिला के पिता ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र के सेक्टर 26 में दिहाड़ी मजदूरी करने वाला ये परिवार दो दशकों से यहीं रह रहा था। 18 जून को पुलिस ने उन्हें बांग्लादेशी होने के संदेह में उठा लिया और 27 जून को सीमापार भेज दिया।

संजौली मस्जिद विवाद : हाईकोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने का दिया आदेश

नीचे की 2 मंजिल छोड़ ऊपर की मंजिलें तोड़नी होंगी

शिमला : हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बहुचर्चित संजौली मस्जिद के अवैध ढांचे को गिराने के फैसले के खिलाफ वक्फ बोर्ड की ओर से हाईकोर्ट में दायर याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई न्यायाधीश अजय मोहन ने की। अदालत ने मामले में नगर निगम को नोटिस जारी किया है और यथास्थिति बनाए रखने के आदेश जारी किए। अदालत ने ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर यथास्थिति बनाए रखने, जबकि ऊपरी मंजिलों को खुद तोड़ने के आदेश को बरकरार रखा है। मामले की अगली सुनवाई अब 9 मार्च में होगी।

वक्फ बोर्ड ने शिमला नगर निगम आयुक्त और जिला अदालत के फैसले को चुनौती दी है। पहले भी इस संबंधित याचिका दायर की गई थी जिसे शुक्रवार को वापस ले लिया गया था। फिर वक्फ बोर्ड ने नए सिरे से याचिका दायर की थी। बता दें 30 अक्तबूर को जिला अदालत ने शिमला नगर निगम आयुक्त के 3 मई 2025 के उन आदेशों को सही ठहराया था, जिसमें निगम आयुक्त ने पूरी मस्जिद को अवैध बताते हुए पूरा ढांचा हटाने के आदेश दिए थे। मगर इन आदेशों को वक्फ बोर्ड और मस्जिद कमेटी ने जिला अदालत में चुनौती दी। जिला अदालत ने सुनवाई के दौरान निगम आयुक्त के आदेशों को सही ठहराया और 30 दिसंबर तक अवैध ढांचे को गिराने के निर्देश दिए।

रुपये का बुरा हाल!

डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर इतिहास में पहली बार 90 मार्क के पार

नई दिल्ली : भारतीय करेंसी रुपया में बुधवार के कारोबारी दिन तेज गिरावट दर्ज की गई और पहली बार घरेलू करेंसी डॉलर के मुकाबले 90 के पार अपने निचले स्तर पर आ गई। डॉलर के मुकाबले रुपया 90.13 स्तर पर एक नए रिकॉर्ड लो पर आ गया। इससे पहले कारोबारी दिन रुपया ने डॉलर के मुकाबले 89.94 स्तर को छू कर अपना ऑल-टाइम लो बनाया था, जो आज के सत्र में ब्रेक हो चुका है।

भारतीय करेंसी में यह गिरावट कमजोर ट्रेड और पोर्टफोलियो फ्लो के बीच देखी जा रही है। वहीं, भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील के लेकर बढ़ती अनिश्चितता भी इसका एक प्रमुख कारण है। इन कारकों ने करेंसी को कारोबारी सत्र में लगातार दबाव में बनाए रखा। रुपए में गिरावट का प्रभाव भारतीय बेंचमार्क सूचकांको पर भी नजर आ रहा है। निफ्टी इंडेक्स बुधवार के कारोबारी सत्र में अपने महत्वपूर्ण 26,000 स्तर से नीचे कारोबार कर रहा है।

इसके अलावा, सेसेंक्स में भी शुरूआती कारोबार में 200 से अधिक अंक की गिरावट दर्ज की गई क्योंकि कमजोर होता रुपया मुद्रास्फीति और एफआईआई एक्टिविटी को लेकर चिंताओं को बढ़ा रही है। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रेडर्स की निगाहें रुपए में स्थिरता के संकेतों और भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर स्पष्टता बनी हुई हैं, जिससे मार्केट का मूड तनावपूर्ण बना हुआ है।

विश्लेषकों के अनुसार, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता होने पर रुपए का अवमूल्यन रुक जाएगा और स्थिति उलट भी सकती है, जो कि इसी महीने होने की संभावना है। हालांकि, यह दोनों देशों के बीच डील होने के बाद टैरिफ से जुड़ी डिटेल्स पर भी बहुत हद निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा कि आरबीआई के म्यूट इंटरवेंशन ने भी रुपए में गिरावट को बढ़ाया है। हालांकि, शुक्रवार को आरबीआई एमपीसी बैठक की पॉलिसी घोषणा के साथ मार्केट को उम्मीद है कि यह भी साफ हो जाएगा कि केंद्रीय बैंक करेंसी को स्थिर करने के लिए कदम उठाएगा या नहीं।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव रिजल्ट

बीजेपी ने 7 सीटों पर की जीत दर्ज, आप को मिलीं 3 सीटें, कांग्रेस और निर्दलीय के खाते में 1-1

नई दिल्ली : दिल्ली एमसीडी चुनाव में 12 सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं। बीजेपी ने 12 में से 7 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने 3 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं 1 सीट पर कांग्रेस और 1 सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई है। इस चुनाव में 2 सीटों पर बीजेपी को झटका लगा है।

उपचुनाव के अंतिम नतीजों में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिसने कुल 12 में से 7 सीटों पर कब्जा किया है। यह प्रदर्शन दिखाता है कि एमसीडी के मतदाताओं के बीच बीजेपी की पकड़ मजबूत बनी हुई है। हालांकि, बीजेपी को 2 सीटों पर झटका लगा है। वहीं आम आदमी पार्टी ने भी 3 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस केवल 1 सीट जीतने में सफल रही है। इसके अतिरिक्त, एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। इन नतीजों से राष्ट्रीय राजधानी में तीनों प्रमुख दलों का वर्तमान जनाधार स्पष्ट होता है।

जिन 12 वार्डों में 30 नवंबर को वोटिंग हुई थी, उनमें से 9 पहले बीजेपी के पास थे और बाकी आम आदमी पार्टी के पास थे। साल 2022 में 250 वार्ड के लिए हुए एमसीडी चुनाव में 50.47 फीसदी के मुकाबले इस उपचुनाव का वोट प्रतिशत 38.51 प्रतिशत रहा। जिन सीटों पर उपचुनाव हुआ था, उनमें मुंडका, शालीमार बाग-इ, अशोक विहार, चांदनी चौक, चांदनी महल, द्वारका इ, ढिचाउ कलां, नारायणा, संगम विहार अ, दक्षिणपुरी, ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर शामिल हैं। कुल 51 कैंडिडेट चुनावी मैदान में थे, जिनमें से 26 महिलाएं और 25 पुरुष थे।

उपचुनाव के अंतिम नतीजों में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिसने कुल 12 में से 7 सीटों पर कब्जा किया है। यह प्रदर्शन दिखाता है कि एमसीडी के मतदाताओं के बीच बीजेपी की पकड़ मजबूत बनी हुई है। हालांकि, बीजेपी को 2 सीटों पर झटका लगा है। वहीं आम आदमी पार्टी ने भी 3 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस केवल 1 सीट जीतने में सफल रही है। इसके अतिरिक्त, एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। इन नतीजों से राष्ट्रीय राजधानी में तीनों प्रमुख दलों का वर्तमान जनाधार स्पष्ट होता है।

समाचार सार

भारी मात्रा में अवैध लकड़ी जब्त, पांच गिरफ्तार

गोमिया: प्रखंड अंतर्गत तेनुघाट रेंज वन क्षेत्र के लुगु पहाड़ के जंगल से मंगलवार को बड़ी मात्रा में लकड़ी बरामद की गयी और पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग व गोमिया थाना की पुलिस को छापेमारी में यह सफलता मिली। मौके से तीन मोटरसाइकिलें भी जब्त की गयी। गिरफ्तार लोगों में तुलबुल निवासी विकास कुमार प्रजापति, राहुल प्रजापति, अजय प्रजापति, छोटेलाल प्रजापति व बच्चन देव प्रजापति शामिल हैं। इनके पास से करीब 49 पीस लकड़ी की सिल्ली मिली। छापेमारी में गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार, प्रभारी वनपाल अजीत कुमार मुर्मू , वनरक्षी विकास कुमार महतो, दुर्गा हेंब्रम, नेहरू प्रजापति, बद्रीनाथ प्रजापति, सअनि अखिलेश कुमार, गोपाल महतो व जवान शामिल थे।

कंप्यूटर साक्षरता दिवस पर क्विज आयोजित

बोकारो: कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर मंगलवार को डीएवी स्कूल टीटीपीएस ललपनिया में क्विज का आयोजन हुआ। इसमें दयानंद, हंसराज, श्रद्धानंद व विवेकानंद हाउस के चौथी से छठी कक्षा के छह-छह विद्यार्थियों ने भाग लिया। अंकों के आधार पर श्रद्धानंद प्रथम, दयानंद द्वितीय व हंसराज हाउस तृतीय स्थान पर रहे। नौवीं के छात्र सचिन कुमार ने अंग्रेजी में कंप्यूटर साक्षरता पर विचार रखे। नौवीं के विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया की लत पर व्यंग्य करते हुए अंग्रेजी में लघु नाटिका प्रस्तुत की। क्विज में प्राचार्य तन्मय बनर्जी ने भी बच्चों से कई प्रश्न पूछे। विजेताओं को शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया। क्विज का संचालन कंप्यूटर शिक्षिका ज्योति कुमारी, नेहा रानी व भुवनेश्वर महतो ने किया। मौके पर राम निवास रॉय, रंजीत कुमार सिंह, संदीप कुमार, अजमल हुसैन, मधु कुमारी, सौरभ कुमार, सुभाष कुमार मिश्रा, कैलाश प्रजापति व अन्य उपस्थित थे।

युवक की मौत मामले में सुखदेव नगर थाना प्रभारी और मुंशी सस्पेंड

रांची: राजधानी रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में एक युवक की मौत के मामले में थाना प्रभारी अशोक कुमार और मुंशी परशुराम को निलंबित कर दिया गया है। रांची आईजी और एसएसपी द्वारा की गई जांच में दोनों पर युवक के परिजनों से रिश्वत लेने और उन्हें प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप साबित हुए। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस सूत्रों ने बताया कि युवक की मौत के बाद परिजन थाने पहुंचे थे। वहां थानेदार अशोक कुमार और मुंशी परशुराम ने मामले को दबाने के लिए परिजनों से पैसे की मांग की। परिजनों ने रिश्वत नहीं देने पर उन्हें धमकाया और अपमानित किया। शिकायत मिलने पर रांची के वरिष्ठ अधिकारीयों ने तत्काल जांच शुरू की। जांच व कारवाई रांची आईजी और एसएसपी ने व्यक्तिगत रूप से थाने का निरीक्षण किया। जांच रिपोर्ट में रिश्वतखोरी और कदाचार के स्पष्ट प्रमाण मिले। इसके आधार पर दोनों पुलिसकर्मियों को तुरंत निलंबित कर दिया गया। डीजीपी कार्यालय से भी इस मामले में सख्त निर्देश जारी हुए थे। अधिकारियों ने कहा कि विभागीय जांच आगे जारी रहेगी।

बुनियादी सुविधाओं से जूझता वार्ड 26

मेदिनीनगर: नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 26 के लोग बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन शहर में सफाई, जल निकासी, पेयजल व स्ट्रीट लाइट जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने में नाकाम साबित हो रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार वार्ड क्षेत्र की गलियों में हर ओर गंदगी फैली हुई है। नाला-नाली की नियमित सफाई नहीं होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। खासकर मिल्लत मस्जिद रोड, गमहेल स्थान रोड और आसपास की गलियां जलजमाव की समस्या से प्रभावित हैं। कई स्थानों पर नाली का निर्माण भी अब तक नहीं हो पाया है। लोगों ने बताया कि पेयजल की समस्या भी गंभीर बनी रहती है। स्ट्रीय लाइटें खराब, आवागमन में परेशानी लोगों ने बताया कि इलाके की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें खराब है, जिससे रात में आवागमन में दिक्कत होती है। वार्ड में सड़क और नाली निर्माण की भी आवश्यकता बतायी गयी है। लोगों ने रखी अपनी बात गमहेल रोड के महबूब अख्तर ने कहा कि जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह से ठप है, जिससे नाली जाम हो जाती है और पानी सड़क पर फैल जाता है। आश मोहम्मद ने कहा कि सफाई व्यवस्था सबसे बड़ी समस्या है। अब्दुल कलाम ने बताया कि बड़े नाले की भी समय-समय पर सफाई नहीं होती, जिससे बाजार क्षेत्र का गंदा पानी जमा हो जाता है। नाजिया महबूब ने शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। एजाज अहमद ने बताया कि अधिकांश स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं, जिससे लोगों को रात में परेशानी झेलनी पड़ती है। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि वह अपने दायित्व का सही तरीके से निर्वहन करे और वार्ड क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करे।

पांच दिसंबर को देवघर आएंगे बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन मजबूती पर देंगे टिप्स

संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 5 दिसंबर को झारखंड के देवघर पहुंचेंगे। उनके इस दौरे को बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि वे यहां सांगठनिक बैठक में शामिल होकर पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों को संगठन मजबूत करने के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन देंगे। साथ ही वे प्रदेश की राजनीतिक स्थितियों पर

चर्चा कर आगे की रणनीति तय करेंगे।

बताया जा रहा है कि झारखंड में बीजेपी के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान और गुटबाजी को खत्म करने पर भी नड्डा जोर देंगे। हाल ही के विधानसभा चुनाव में पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को लेकर भी समीक्षा की जाएगी। 2019 में जहां बीजेपी को 25 सीटें मिली थीं, वहीं इस बार पार्टी सिर्फ 21 सीटों पर सिमट गई। इस गिरावट के कारणों, बूथ स्तर पर कमजोरी और संगठन के बीच समन्वय की कमी पर भी चर्चा होने की संभावना है।

इसके साथ ही अगले साल पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी रणनीति तैयार की जाएगी। पार्टी वहां व्यापक अवसर देख रही है और झारखंड के कुछ मजबूत नेताओं को बंगाल में संगठनात्मक जिम्मेदारियाँ दी जा सकती हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को लेकर देवघर जिला संगठन तैयारी में जुट गया है। कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी प्रदेश मंत्री बालमुकुंद सहाय को सौंपी गई है। वहीं रांची के विधायक और पूर्व मंत्री सीपी सिंह ने कहा कि जेपी नड्डा का झारखंड दौरा पार्टी के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और इससे कार्यकताओं में नया उत्साह आएगा। बैठक से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबाधाम मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे।

चंपाई सोरेन ने की चाय श्रमिकों को भूमि अधिकार देने के लिए असम सरकार की सराहना

संवाददाता

रांची: पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता चंपाई सोरेन ने असम में चाय बागान श्रमिकों को भू स्वामित्व अधिकार देने वाले विधेयक को पारित करने के लिए असम सरकार की सराहना की।

असम विधानसभा ने एक संशोधन विधेयक पारित किया था। यह विधेयक सरकार को चाय बागानों की लेबर लाइन में आवास स्वामित्व के लिए श्रमिकों को भूमि वितरित करने की अनुमति देगा। सोरेन ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि असम सरकार के इस फैसले से लाखों आदिवासियों और अन्य श्रमिकों को लाभ होगा,

जो 200 वर्षों से वहां बसे हुए हैं।

भाजपा नेता ने चाय बागान श्रमिकों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने के असम कैबिनेट के फैसले का भी स्वागत किया। इन श्रमिकों में से अधिकांश झारखंड की धरती से जुड़े आदिवासी हैं।

झारखंड के सरायकेला से भाजपा विधायक सोरेन ने आरोप लगाया कि असम की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने राज्य में वर्षों से बसे इन श्रमिकों के अधिकारों को नजरअंदाज किया है। शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया मंच पर प्रतिक्रिया देते हुए सोरेन के प्रेरणादायक शब्दों के लिए उनकी सराहना की।

शर्मा ने कहा कि चाय समुदाय और जनजातीय समाज के अधिकारों को मजबूत करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, आपकी शुभकामनाएं हमें सभी चाय श्रमिक परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

यातायात पुलिसकर्मी पर हमला करने वाले 4 नाबालिग गिरफ्तार, हथियार बरामद

बोकारो : जिले के बोकारो स्टील सिटी थाना क्षेत्र सेक्टर 12 मोड पर वाहन यातायात जांच के दौरान पुलिस पर हमला करने वाले चार नाबालिग आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात एक आरक्षी पर धारदार हथियार से हमला करने की घटना के आलोक में आवेदक आरक्षी संख्या 214 दिलीप कुमार सिंह ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई कि विगत 30 नवंबर की शाम करीब 4 बजे नया मोड़ के पास वे यातायात ड्यूटी पर तैनात थे। उसी समय सेक्टर-12 मोड़ की तरफ से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर चार युवक सवार होकर आए। रोकने का इशारा करने पर युवकों ने गाली-गलौज करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। इसी क्रम में एक युवक ने जान मारने की नीयत से धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसमें आरक्षी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हमले के बाद चारों युवक मोटरसाइकिल से फरार हो गए। शिकायत के आधार पर बीएस सिटी थाना कांड संख्या 259/25 दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर नगर डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। छापेमारी के दौरान घटना में शामिल चार विधि-विरुद्ध बालकों को पकड़ लिया गया। एक के पास से देसी रिवाल्वर और एक के पास से घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (जेएच09बीके 0165) बरामद हुई। दो मोबाइल भी जब्त किए गए। सभी नाबालिगों को न्यायालय में प्रस्तुत कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया।

बोकारो सिटी सेंटर में चला बुलडोजर 50 से अधिक अस्थायी दुकानें ध्वस्त

बोकारो: बोकारो स्टील प्रबंधन की ओर से मंगलवार को अनधिकृत प्लॉट-भूमि व आवासों को खाली कराने का अभियान शुरू हुआ। अतिक्रमण हटाने की शुरूआत हृदयस्थली सिटी सेंटर सेक्टर चार से शुरू हुई। अभियान के तहत बुलडोजर से पाली प्लाजा सिनेमाघर के सामने से लेकर होंडा शोरूम के सामने तक की 50 से अधिक अस्थायी दुकानें ध्वस्त की गयी। अभियान लगभग तीन घंटे चला। बुलडोजर से सड़क व नाले को अतिक्रमण कर बनाये गये झुग्गी-झोपड़ी व दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। कई दुकानदार अपने-अपने सामान को समेटते नजर आये, तो कुछ ने सामान खाली कर दिया था। पूर्वाह्न लगभग 11 बजे टीम दलबल व दो जेसीबी के साथ पहुंची। सिटी सेंटर सेक्टर चार में नाली व ड्रेनेज के ऊपर दर्जनों दुकानें खोल कर अतिक्रमण किया गया है। अभियान में सबको हटाया जायेगा।

दो दिनों तक चलाया जायेगा अभियान: संपदा न्यायालय बोकारो इस्पात संयंत्र-बोकारो की ओर से पारित आदेशों के आलोक में संदर्भित बेदखली आदेशों के तहत अनधिकृत दखलकारों को बीएसएल की ओर से लगभग एक सप्ताह पूर्व में ही सूचना दे गयी थी। कहा गया था कि अनधिकृत प्लॉट-भूमि व आवासों को खाली कराने का कार्य दो दिसंबर से शुरू होगा। बीएसएल की ओर से अभियान को शुरू करने को लेकर सिटी सेंटर व आस-पास में माइकिंग भी की गयी थी। अतिक्रमण हटाओ अभियान अगले दो दिनों तक लगातार चलाया जायेगा।

कुछ लोगों ने किया विरोध: बीएसएल प्रबंधन की ओर से कहा गया है अपने बकाया राशि का भुगतान कर दें, अन्यथा इन्हें बेदखली प्रक्रिया के तहत हटा दिया जायेगा। किसी भी तरह की क्षति के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। सिटी सेंटर में बीएसएल की जमीन पर अतिक्रमण, अवैध निमाणों व कब्जों पर बुलडोजर चला और निमाणों को धराशायी किया गया। इस दौरान कुछ लोगों ने अतिक्रमण तोड़ने का विरोध भी किया। अभियान के दौरान नगर सेवा विभाग के अधिकारियों व कर्मियों की टीम के साथ-साथ स्थानीय पुलिस सेक्टर चार थाना व बीएसएल सुरक्षा विभाग के दर्जनों कर्मी उपस्थित थे।

अतिक्रमण हटाने को ले प्रबंधन का एक्शन प्लान तैयारः जिन मामलों में संपदा न्यायालय द्वारा पूर्व में ही बेदखली आदेश पारित किया जा चुका है, उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराया जायेगा। अन्य मामलों में केस दायर कर उन्हें खाली कराया और अवैध निमाणों को हटाया जायेगा। बीएसएल की संपत्ति से अतिक्रमण हटाने का वृहद अभियान चल रहा है। इसके लिए प्रबंधन की ओर से एक्शन प्लान तैयार किया गया है। बीएसएल क्वार्टर को कब्जा मुक्त कराया जा रहा है। जमीन पर से कब्जा हटाया जा रहा है। क्वार्टर का भाड़ा व प्लॉट के रिन्यूअल की राशि सख्ती से वसूली जा रही है।

मोतियाबिंद आंख की एक सामान्य लेकिन गंभीर बीमारीः सुरेश जैन

सेवा सदन में आयोजित शिविर में 43 मरीजों का हुआ ऑपरेशन

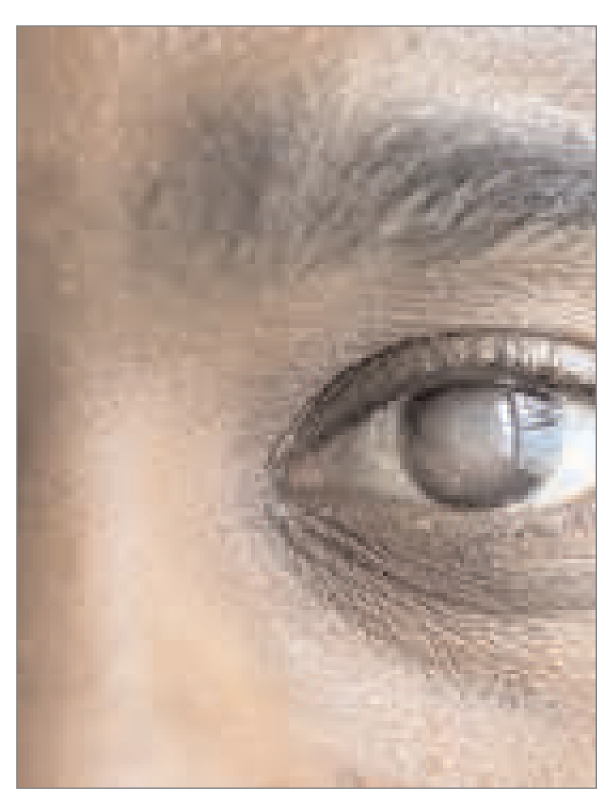

मेदिनीनगर: सेवा सदन में आयोजित शिविर में 43 मरीजों के मोतियाबिंद का हुआ ऑपरेशन प्रतिनिधि, मेदिनीनगर प्रकाशचंद्र जैन सेवा सदन में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का समापन सोमवार को हुआ। शिविर में 43 मरीजों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन रांची के नेत्र विशेषज्ञ डॉ सुलोचना पल्लवी व डॉ खुशबू कुमारी की टीम ने किया। मरीजों को ऑपरेशन के बाद दवा व चश्मा भी दिया गया। सेवा सदन के महासचिव सुरेश कुमार जैन ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन मोतियाबिंद मरीजों की सेवा में सक्रिय रहती है। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा समय-समय पर शिविर का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि मोतियाबिंद आंख की गंभीर बीमारी है, जिसमें आंख के लेंस में धीरे-धीरे धुंधलापन आ जाता है और दृष्टि कमजोर होने लगती है। समय पर इलाज नहीं होने के कारण मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है। सेवासदन का यह प्रयास है कि गरीब लोगों का कम खर्च पर बेहतर इलाज किया जाये। सेवा सदन के संयुक्त सचिव सौमित्रो भट्टाचार्य ने कहा कि निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन गरीबों और जरूरतमंदों के लिए वरदान है। शिविर को सफल बनाने में सेवा सदन के कोषाध्यक्ष प्रदीप केजरीवाल, ब्रजेश तिवारी, कृष्ण कुमार ओझा, कामता प्रसाद, देवाशीष कुमार राय समेत अन्य कार्यकर्ता सक्रिय थे।

शिक्षा विभाग का बड़ा फैसला

अब बोर्ड पैटर्न पर होगीं 8वीं, 9वीं और 11वीं की परीक्षाएं

संवाददाता

रांची : झारखंड शिक्षा विभाग ने राज्य की परीक्षा प्रणाली में बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए घोषणा की है कि अगले साल से 8वीं, 9वीं और 11वीं की परीक्षाएं भी मैट्रिक और इंटर की तर्ज पर बोर्ड पैटर्न में आयोजित की जाएंगी। अब तक इन कक्षाओं की परीक्षाएं स्कूल स्तर पर आयोजित होती थीं, लेकिन नई व्यवस्था के तहत यह परीक्षाएं बोर्ड प्रारूप में ली जाएंगी, जिससे छात्रों को उच्च कक्षाओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके। इन परीक्षाओं का संचालन अब जैक के बजाय जेसीईआरटी द्वारा किया जाएगा।

नई परीक्षा प्रणाली में प्रश्न पत्रों को आधुनिक और व्यापक बनाया गया है। इसमें केवल वस्तुनिष्ठ प्रश्न ही नहीं, बल्कि लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न भी शामिल होंगे। साथ ही ओएमआर आधारित प्रश्नों का उपयोग भी किया जाएगा, ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और मानकीकृत हो।

शिक्षा विभाग ने इन बदलावों को लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं प्रारूप जेसीईआरटी को भेज दिए हैं। शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने बताया कि परीक्षा प्रणाली में बदलाव का मुख्य उद्देश्य छात्रों की उत्तर लेखन क्षमता, विश्लेषण कौशल और विषय की गहरी समझ का समग्र मूल्यांकन करना है। उन्होंने कहा कि नई परीक्षा व्यवस्था साल 2026 से लागू होगी और इसके लिए आवश्यक ढांचा पहले ही तैयार कर लिया गया है। जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं और पेपर सेटिंग, परीक्षा संचालन तथा मूल्यांकन प्रक्रिया में भी कई सुधार किए गए हैं।

शिक्षाविदों का मानना है कि यह कदम छात्रों को उच्च कक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अधिक सक्षम बनाएगा। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और बच्चों में विषयों के प्रति गहरी पकड़ विकसित होगी।

वहीं, जैक के अध्यक्ष डॉ नटवा हांसदा ने बताया कि परीक्षा केंद्र निर्धारण, सुरक्षा, प्रश्न पत्र वितरण और मूल्यांकन की सभी प्रक्रियाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने की तैयारी की जा चुकी है। यह नई प्रणाली राज्य में शिक्षा के स्तर को एक नई दिशा देगी।

डीसी- एसएसपी ने जयंती पर डॉ राजेंद्र प्रसाद को किया याद

संवाददाता

रांची : भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की आज 141वीं जयंती है। इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने राजेंद्र चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दोनों अधिकारियों ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें महान नेता बताया।

उपायुक्त ने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद देश के स्वतंत्रता आंदोलन के बड़े नेता थे। वे संविधान बनाने वाली सभा के महत्वपूर्ण सदस्य और देश के पहले राष्ट्रपति रहे। उनकी सादगी, ईमानदारी और मेहनत आज भी सभी को प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि डॉ प्रसाद का जीवन यह सीखाता है कि देशहित हमेशा सबसे ऊपर होना चाहिए।एसएसपी राकेश रंजन ने भी डॉ राजेंद्र प्रसाद के आदर्शों को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद ने अपना जीवन देश की सेवा में लगा दिया और उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

अल्बर्ट एक्का को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रांची : परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का की पुण्यतिथि पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने अल्बर्ट एक्का चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दोनों अधिकारियों ने उन्हें देश का सच्चा वीर बताया और उनके योगदान को नमन किया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि अल्बर्ट एक्का ने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस दिखाते हुए देश की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया था। उनका यह सर्वोच्च बलिदान देश की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि उनकी वीरता युवाओं को हमेशा देश सेवा की प्रेरणा देती रहेगी।

एसएसपी राकेश रंजन ने भी कहा कि अल्बर्ट एक्का की बहादुरी पूरे देश के लिए गर्व की बात है। उनकी वीर गाथा हमें कर्तव्य और समर्पण का संदेश देती है।

रांचीः राज्यपाल ने आज डॉ राजेंद्र प्रसाद को उनकी जयंती पर याद किया। साथ ही परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का को उनकी पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि।

सताएगी सर्दी

मौसम विभाग ने जारी किया शीतलहर का अलर्ट , न्यूनतम तापमान में आयेगी कमी

संवाददाता

रांचीः दितवाह चक्रवात का प्रकोप खत्म होते ही झारखंड से बादल छंट गये हैं। मौसम पूरी तरह साफ हो चुका है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार, अगले चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की कमी आयेगी। इसका मतलब है कि झारखंड में बुधवार से ठंड बढ़ सकती है। सुबह में कोहरा के साथ शीतलहरी चल सकती है। उत्तर भारत में बर्फबारी के कारण इसका असर झारखंड पर भी पड़ने की संभावना विभाग की ओर से व्यक्त की गई है। पुनः सात दिसंबर से आसमान में बादल छाये रहने की संभावना है। इससे न्यूनतम तापमान में दिन में थोड़ी वृद्धि रिकॉर्ड की जा सकती है।

इस बीच मंगलवार को राज्य के कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हुई। खूंटी में एक मिमी बारिश दर्ज की गयी है। राज्य में सबसे कम खूंटी में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, रांची का अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटे में 1.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि रही, जबकि न्यूनतम तापमान में पिछले 24 घंटे में 0.7 डिग्री सेल्सियस की कमी आयी है। इसके और घटने की उम्मीद है।

मेदिनीनगर में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियसः वहीं, मेदिनीनगर में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस रहा। मेदिनीनगर में जहां पिछले 24 घंटे में एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट आयी है। वहीं, बोकारो में 1.5 डिग्री सेल्सियस व चाईबासा में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट आयी है। राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 29.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इधर, कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि धान की फसल यदि परिपक्व हो गयी है, तो कटाई शुरू करें। खरीफ फसलों की कटाई होने पर गेंहू की खेती के लिए खेत तैयार कर लें।

झारखंड राजभवन का बदला नाम, अब कहलाएगा लोक भवन

रांचीः झारखंड के राजभवन का नाम अब बदलकर 'लोक भवन झारखंड' कर दिया गया है। राज्यपाल संतोष गंगवार ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय की पहल के तहत देश के सभी राजभवनों को अब लोक-केंद्रित पहचान दी जा रही है। राजभवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया गयाः राज्यपाल ने आगे लिखा कि झारखंड का राजभवन अब लोक भवन झारखंड के नाम से जाना जाएगा। बता दें कि यह परिवर्तन झारखंड के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ता है। दरअसल, केंद्र सरकार के निर्देश के बाद देश के आठ राज्यों के राजभवन के नाम बदले गए हैं। इनमें तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा शामिल हैं। इनके राजभवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया है। इसी कड़ी में लद्दाख के उपराज्यपाल के निवास-कार्यालय को अब लोक निवास कहा जाएगा।

रिम्स कैंपस की अव्यवस्थाओं पर हाईकोर्ट का कड़ा रूख

72 घंटे के अंदर रिम्स कैंपस से अतिक्रमण हटाने का निर्देश

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने रिम्स कैंपस की अव्यवस्थाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए 72 घंटे के भीतर पूरे परिसर से अतिक्रमण हटाने का सख्त आदेश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं की गई, तो इसे कोर्ट की अवमानना माना जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश त्रिलोक सिंह चौहान की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान रिम्स प्रशासन पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कैंपस में फैला अतिक्रमण मरीजों, छात्रों और अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर असर डाल रहा है। कोर्ट ने पुलिस और जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि किसी भी बहाने या देरी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। अदालत ने यह भी कहा कि अगले आदेश तक रिम्स परिसर की सभी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और 72 घंटे बाद की स्थिति सीधे कोर्ट के सामने पेश की जाएगी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को होगी। इस मामले में रिम्स की ओर से अधिवक्ता अशोक कुमार ने पक्ष रखा।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यसमिति की बैठक

14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाले वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली की तैयारी पर हुई चर्चा

एसआइआर का विरोध करेगी कांग्रेस : कमलेश

रांचीः प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यसमिति की बैठक कांग्रेस भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में हुई। इसमें 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली की तैयारी पर चर्चा की गयी। रैली में अधिक से अधिक भागीदारी झारखंड से हो, इस पर जिलावार समीक्षा की गयी। साथ ही झारखंड में एसआइआर के तहत होने वाले मतदाता पुनरीक्षण की प्रक्रिया का विरोध करने का निर्णय लिया गया। केशव महतो कमलेश ने कहा कि केंद्र सरकार नागरिकों के अधिकारों को छीन रही है। चुनाव आयोग के माध्यम से देश में एसआइआर द्वारा विपक्ष के समर्थक मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। फर्जी मतदाताओं का नाम जोड़ कर राज्यों के चुनाव की चोरी की जा रही है। देश में भय का माहौल व्याप्त है। लोग आशंकित हैं। आम जनता को देश से लोकतंत्र समाप्त होने का डर सता रहा है। आम जनता एसआइआर की जटिल प्रक्रिया समझने में परेशान है। वहीं, काम के दबाव में बीएलओ आत्महत्या कर रहे हैं। कांग्रेस यह नहीं देख सकती। इसका पूरा विरोध होगा। 14 दिसंबर की रैली में झारखंड से 5000 लोग शिरकत करेंगे। बैठक में जूम के मध्यम से सभी जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे। इसके अलावा मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, जलेश्वर महतो, डॉ रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता, अनादि ब्रह्म, बृजेंद्र सिंह, सुल्तान अहमद, भीम कुमार, राकेश सिन्हा, अमूल्य नीरज खलखो, आलोक दुबे, प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव, राजेश गुप्ता, विनय सिन्हा दीपू समेत कई लोग मौजूद थे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय,राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–गंदरू उराँव, उम्र–41 वर्ष, रंग–साँवला, ऊँचाई–05 फीट 3 ईंच, पहनावा–नीला रंग का फुल स्वेटर एवं काला रंग का पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति गंदरू उराँव, उम्र–41 वर्ष, पिता–स्व0 लछु उराँव, सा0–बनधेया, थाना–नगड़ी, जिला–राँची जो दिनांक–09.11.2025 को बक्सर जाने के कम में बगैर बताए कहीं चले गए है जो घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में नगडी थाना सन्हा संख्या–27/2025, दिनांक–18.11.2025 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, मु0, द्वितीय, राँची। – 9431706142
थाना प्रभारी नगड़ी, राँची। – 9431706176

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 367511 Police(25-26).D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER.
MINOR IRRIGATION DIVISION, Ranchi

e-Procurement Tender Notice
Two Envelope System

Tender Reference No:- WRD/MID/04/BD/(SLI)2025-26
Letter no-............Date-............

1	Name of Work:	Construction of Mukhyamantri Solar Lift Irrigation Scheme at Patratu Block:- Kanke, Dist- Ranchi.
2	Estimated Cost (Rs.)	**Rs. 1,09,18,500.00**
3	Cost of tender document (Rs)	Rs 10,000 only (non-refundable).
4	Earnest Money Deposit (Rs.)	Rs 1,10,000.00 only.
5	Time of Completion	335 Days
6	Mode of Submission of tender	Online through www.jharkhandtenders.gov.in
7	Date of Publicationof Tender on website	Date: 17.12.2025 Time: 2:00 PM
8	Last Date/Time for downloading of bidding documents and Submission of Tender on Website	Date: 23.12.2025 Time: 2:00PM
9	Submission of Tender Fee and EMD	Start Date:-17.12.2025 Time:- 2:00 PM Last Date:- 23.12.2025 Time:- 2:00 PM
10	Technical Bid Opening Date	Date: 24.12.2025 Time: 2:00 PM
11	Officer Inviting Bids	Executive Engineer Minor Irrigation Division Ranchi
12	Contact No. of Procurement Officer e-mail of Procurement Officer	9431190681
13	Help line No. of Procurement Cell	0651-3512781/Email ID- eemidran-cemr-jhr@nic.in

Note:-
- Work will be awarded to those bidders {specially MNRE approved channel partners/MNRE approved manufacturers/ MNRE approved PV system integrators/ A registered manufacturers/ Company/ Firm/ Corporation in India (including MSME of Jharkhand) of at least one of the major sub system namely pumps or PV System electronics (confirming to National/ International Standards)/ any other agencies having experience of installation and commissioning of such solar powered irrigation schemes}. Empanelled Indigenous Manufacturers of 10 HP pumps (AC/DC Surface water Pumps) in the department with all accessories for off-grid stand alone SPV water pumping systems can also take part in the bid for executing the whole work of the bid. However those bidders who have not yet registered in Water Resources Department can also submit their bid provided they will have to get themselves registered in Water Resources Department within two months from the date of allotment of work.
- Only e-Tender will be accepted.
  Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division,
Ranchi

PR 367551 Minor Irrigation(25-26)#D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–DMFT/MID/RANCHI/F2-30/2025-26

पत्रांक– दिनांक–

1. विज्ञानपनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची
2. परिमाण विपत्र (BOQ)बिक्री की तिथि :– 15.12.2025 एवं 16.12.2025 कार्यालय अवधि
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 17.12.2025 को 03:00 बजे अपराह्न तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 17.12.2025 को 03:30 बजे अपराह्न में
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची
6. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची
7. कार्य की विस्तृत विवरणीः–

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	बेड़ो प्रखण्ड अन्तर्गत Govt. Primary School, Pipertoli के लिए दो कमरों का निर्माण।	24,49,100.00	5000.00	49,000.00	छः माह

नोटः– 1. निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात् अग्रधन की राशि देय होगा।
2. निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पट्ट से प्राप्त किया जा सकता है।
3. इस निविदा में जल संसाधन विभाग, झारखण्ड सरकार अन्तर्गत निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक भाग लेगें।

कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची

PR 367543 Minor Irrigation(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सत्य के शुद्धिकरण में असत्य का विचलित होना स्वाभाविक

भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, किंतु आज प्रश्न आकार का नहीं रह गया है। वास्तविक प्रश्न यह है कि विश्व का सबसे विश्वसनीय लोकतंत्र कौन है। लोकतंत्र की प्रतिष्ठा और शक्ति मतदाताओं की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी शुचिता, पवित्रता और विश्वसनीयता से निर्धारित होती है। यही कारण है कि मतदाता शुद्धि क्रिया को केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया समझना भूल होगी; यह लोकतांत्रिक नैतिकता के पुनर्जागरण का वह राष्ट्रीय संकल्प है जो आने वाले समय में भारत के लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा तय करने वाला है। मतदाता सूची ही लोकतंत्र की वास्तविक रीढ़ है। यदि सूची दूषित हो जाए, मृत व्यक्तियों के नाम वर्षों तक दर्ज रहें, बाहरी घुसपैठिये नकली पहचान के आधार पर मतदान कर सकें या राजनीतिक स्वार्थों के कारण पसंदझ्रनापसंद के अनुसार नाम जोड़े या हटाए जाएँ, तो लोकतंत्र केवल एक औपचारिक ढांचा बनकर रह जाता है जिसकी नींव खोखली होती चली जाती है। पिछले वर्षों में देश के अनेक हिस्सों में दोहरी प्रविष्टियों, मृत मतदाताओं के नाम, एक ही व्यक्ति के एकाधिक पते और संगठित मतांतरण जैसी गंभीर गड़बड़ियाँ उजागर हुईं। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर एक गहरी चोट है, क्योंकि जिस सूची से जनमत का मूल्य निकले, यदि वही संदिग्ध हो जाए, तो जनमत का अर्थ क्या रह जाता है। इसी पृष्ठभूमि में विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया आशा और विश्वास की किरण बनकर सामने आई है। मतदाता शुद्धि क्रिया का उद्देश्य सरल है कि सही व्यक्ति का नाम सूची में रहे और असत्य या अमान्य नाम हटाए जाएँ, किंतु यह कार्य जितना सरल दिखाई देता है, उतना है नहीं। भारत जैसा विविधतापूर्ण और विशाल देश केवल आँकड़ों का भूगोल नहीं है। मतदाता सूची जनसांख्यिक संतुलन, संवैधानिक अधिकार, सामाजिक संरचना, स्थानीय सुरक्षा, धार्मिकझ्रसांस्कृतिक बनावट और राजनीतिक समीकरणों से गहराई से जुड़ा दस्तावेज है। ऐसे में घरझ्रघर सत्यापन, डिजिटल जाँच, दोहरे नामों की पहचान, मृत व्यक्तियों के विलोपन और नकली पहचान की जाँच जैसी कठोर प्रक्रियाएँ लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य साधन बन जाती हैं। ,इस संदर्भ में बिहार का उदाहरण उल्लेखनीय है। दो दशक से अधिक समय बाद वहाँ जिस व्यापक पुनरीक्षण की शुरूआत हुई, वह देश के लिए एक आदर्श मॉडल बनकर उभरा। लाखों घरों का सत्यापन हुआ, करोड़ों निर्धारण प्रपत्र जमा हुए और सूची से उन लाखों नामों का विलोपन किया गया जो या तो वर्षों से मृत थे, दोहरे पते पर दर्ज थे या लंबे समय से स्थानांतरित हो चुके थे। सर्वोच्च न्यायालय ने भी स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि हटाए गए प्रत्येक नाम का कारण सार्वजनिक किया जाए। यह केवल प्रशासनिक कठोरता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नैतिक शुचिता के प्रति एक अनिवार्य प्रतिबद्धता है। प्रश्न यह है कि यदि बिहार यह कर सकता है, तो देश के अन्य राज्यों के लिए यह प्रक्रिया अनिवार्य क्यों न बने।

मतदाता शुद्धि क्रिया केवल प्रशासन या चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं है। यह प्रत्येक जागरूक नागरिक का सामाजिक और नैतिक कर्तव्य है। हर नागरिक को अपने परिवार, समाज और मोहल्ले के मतदाताओं की सूची का सत्यापन स्वयं करना चाहिए। वृद्धों, अशिक्षितों, ग्रामीणों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले उन नागरिकों की सहायता करना चाहिए जिनके लिए स्वयं सत्यापन कठिन है। समाज में झूठ, उन्माद और दुष्प्रचार फैलाने के स्थान पर मतदाता सूची को शुद्ध बनाने की जागरूकता ही सच्चा राष्ट्रधर्म है। नकली पहचान, फर्जी पते या दोहरी प्रविष्टि कराना केवल विधिक अपराध नहीं, बल्कि नैतिक अपराध भी है, और मतदान का निर्णय धर्म, जाति, लाभ या प्रलोभन के आधार पर नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, सुरक्षा, चरित्र और सत्य के आधार पर होना चाहिए। स्वाभाविक है कि जब सत्य का शुद्धिकरण होता है तो असत्य विचलित होता है। आज मतदाता शुद्धि क्रिया का विरोध मुख्यतः वही समूह कर रहे हैं जिनकी राजनीति फर्जी नामों पर टिकी है, जिन्हें जनसांख्यिक असंतुलन से लाभ मिलता है और जिनके लिए भारत की एकता, सुरक्षा और शुचिता से अधिक अपने वोटझ्रसमूह का स्वार्थ महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र मृत व्यक्तियों के नामों या नकली पहचान वाले मतों पर आधारित नहीं रह सकता। राष्ट्रहित किसी भी जाति, भाषा, वर्ग या समुदाय के स्वार्थ से ऊपर होना चाहिए। भारत के लोकतंत्र को सबसे अधिक क्षति वोटबैंक की विकृत संस्कृति ने पहुँचाई है। आज बहुसंख्यक अपने अधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है और अल्पसंख्यक को विशेषाधिकार देने की प्रतियोगिता बढ़ती चली जा रही है। न्याय व्यवस्था भी अनेक मामलों में पीड़ितों को वर्षों तक न्याय नहीं दे सकी। अंकित शर्मा और दिलबर नेगी जैसे युवकों की करुण मृत्यु से लेकर पालघर के साधुओं और गोधरा के कारसेवकों तक, अनेक पीड़ितों की आत्मा आज भी न्याय की प्रतीक्षा कर रही है और इन अन्यायों के मूल में नकली पहचान, संगठित मतांतरण और फर्जी प्रविष्टियों का बिगड़ा हुआ तंत्र भी शामिल रहा है। यदि मतदाता सूची शुद्ध होगी तो न्याय की दिशा भी शुद्ध होगी। देश आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। आने वाले वर्षों में जनसांख्यिक संतुलन, राष्ट्रीय सुरक्षा, सांप्रदायिक तनाव, विदेशी तंत्रों का हस्तक्षेप और वैचारिक संघर्ष एक साथ बढ़ने वाले हैं। ऐसे समय में मतदाता शुद्धि केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है। यदि सूची शुद्ध नहीं तो कोई भी विधानसभा, संसद या पंचायत वास्तविक जनमत का प्रतिनिधि नहीं मानी जा सकती। इस अभियान की सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब इसके कार्यकताओं, विशेषकर कक्षझ्रस्तर अधिकारियों की सुरक्षा, गरिमा और मानवीय सहूलियतों की पूर्ण व्यवस्था की जाए। किसी भी अधिकारी का जीवन किसी प्रशासनिक परिणाम से अधिक मूल्यवान है। लोकतंत्र की शुचिता के इस महाअभियान में सबसे पहले उन लोगों का सम्मान होना चाहिए जो धरातल पर कार्य कर रहे हैं। नागरिक कर्तव्य का पुनर्जागरण आज राष्ट्रीय आवश्यकता बन गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने लोकजागरण अभियान में नागरिक कर्तव्य को जिस महत्व के साथ प्रस्तुत किया है, वह इस समय की माँग है। लोकतंत्र केवल मतपत्रों पर नहीं चलता, वह नागरिकों के संस्कार, जागरूकता, सत्यनिष्ठा और जिम्मेदारी पर आधारित होता है। जब नागरिक अपने कर्तव्यों को समझता है, तो उसके अधिकार स्वतः सुरक्षित हो जाते हैं और राष्ट्र का जीवन सुदृढ़ होता है। कर्तव्य वह सेतु है जो व्यक्ति को समाज से और समाज को राष्ट्र से जोड़ता है। आधुनिक चुनौतियों, विभाजनकारी प्रवृत्तियों, दुष्प्रचार और हिंसा के विरुद्ध एक सजग, अनुशासित और कर्तव्यपरायण नागरिक ही राष्ट्र की सुरक्षा कर सकता है। आज समय का आह्वान है कि प्रत्येक नागरिक मतदाता शुद्धि क्रिया में सहयोग करे, अपने और अपने पड़ोस के नाम सत्यापित करे, फर्जी प्रविष्टियों को हटाने में सहयोग दे और लोकतंत्र को पवित्र बनाए। लोकतंत्र केवल अधिकारों की सूची नहीं, कर्तव्यों का अनुशासन है। यदि हम आज तटस्थ रहे तो इतिहास हमें क्षमा नहीं करेगा। यह अवसर केवल सूची सुधार का नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक भविष्य को सुरक्षित करने का राष्ट्रीय अवसर है।

विश्व को चौंकाती भारत की आर्थिक विकास दर

> विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी जो वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में बढ़कर 9.1 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार, सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत की रही है। वित्तीय, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं में तो वृद्धि दर बढ़कर 10.2 प्रतिशत (पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.2 प्रतिशत) एवं जन प्रशासन, डिफेंस एवं अन्य सेवाओं में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.9 प्रतिशत) की रही है।

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत रही थी। विशेष रूप से विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्र में वृद्धि दर अतुलनीय है। विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी जो वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में बढ़कर 9.1 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार, सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत की रही है। वित्तीय, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं में तो वृद्धि दर बढ़कर 10.2 प्रतिशत (पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.2 प्रतिशत) एवं जन प्रशासन, डिफेंस एवं अन्य सेवाओं में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.9 प्रतिशत) की रही है। व्यापार, होटल, यातायात एवं कम्यूनिकेशन में भी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष 6.1 प्रतिशत)। केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं डिफेन्स के क्षेत्र में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में जरूर वृद्धि पिछले वर्ष 4.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई है एवं कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में भी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 7.2 प्रतिशत रही है।जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। क्योंकि, वैश्विक स्तर पर इतनी विपरीत परिस्थितियों के बीच एवं विकसित देशों में विकास की धीमी दर एवं कुछ देशों में तो विकास दर के ऋणात्मक रहने के चलते ओईसीडी देशों की आर्थिक विकास दर 2 प्रतिशत के भी नीचे है। भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के ऊपर कैसे रह सकती है। साथ ही, विभिन्न वित्तीय संस्थानों यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान जताया था। फिर, भारत की आर्थिक विकास इस अवधि में 8.2 प्रतिशत कैसे रह सकती है? हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने भारत में आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। इन सुधार कार्यक्रमों का असर अब भारत की आर्थिक विकास दर में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है और इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में लागू किया जा चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है। साथ ही, भारत के लगभग 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त उपायों का स्पष्ट असर यह हो रहा है कि भारत के दूर दराज इलाकों में निवासरत गरीब वर्ग के हाथों में सीधे पैसा पहुंच रहा है, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ रही है एवं वे इस पैसे से कई प्रकार के उत्पादों का सेवन करने लगे हैं और जिससे अंततः देश में इन उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में निजी उपभोग भी वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही के 4.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 8 प्रतिशत से बढ़ा है। साथ ही केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में भी 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जिससे रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज हुई है। उक्त कारणों के साथ ही, भारत में धार्मिक पर्यटन में भी भारी वृद्धि हुई है। अब, कई श्रद्धालु परिवार भारत के अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित मंदिर के दर्शन हेतु प्रति माह लाखों की संख्या में पहुंच रहे हैं। इसी प्रकार, वाराणसी स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर, जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर, दक्षिण में भगवान तिरुपति बालाजी मंदिर, ओड़िसा के पुरी में स्थित मंदिर, उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर आदि मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने हेतु पहुंच रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न हुए कुम्भ के मेले में तो 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु देश विदेश से पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने हेतु पहुंचे थे। इसी प्रकार, भारत की एक और विशेषता है कि यहां विभिन्न त्यौहारों को बड़े ही उत्साह से भाई-चारे के साथ मनाया जाता है।

दीपावली का पावन पर्व एवं दीपावली के आसपास के समय में कई त्यौहार श्रद्धापूर्वक मनाए जाते हैं एवं इन त्यौहारों पर समाज में परिवारों द्वारा लाखों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं। इस वर्ष एक आकलन के अनुसार दीपावली के पावन पर्व एवं दीपावली के समय के आसपास के समय में मनाए गए विभिन्न त्यौहारों पर 6 लाख करोड़ रुपए के विभिन्न उत्पादों की बिक्री भारत में हुई है। फिर, शादियों का मौसम भी प्रारम्भ होता है जिसमें करोड़ों की संख्या में विवाह समारोह सम्पन्न होते हैं, इन विवाह समारोहों में भी लाखों करोड़ रुपए का खर्च भारतीय समाज द्वारा किया जाता है। इन कारणों के चलते भी भारत में हाल ही के समय में उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। जिससे, अंततः इन उत्पादों का निर्माण भी भारत में होने लगा है तथा विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।दरअसल, विदेशी वित्तीय संस्थान भारत की संस्कृति से पूर्णत अनभिज्ञ हैं एवं पश्चिमी देशों की संस्कृति के अनुसार विकसित किए गए मॉडल से भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगा रहे हैं। इन मॉडल के अनुसार जहां, इन विभिन्न विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा 6 से 7 प्रतिशत के बीच की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाया जाता है वहीं भारत की आर्थिक विकास दर अब 8 प्रतिशत की दर को भी पार करती हुई दिखाई दे रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन वित्तीय संस्थानों के आंकलन में इतना भारी अंतर सोच का विषय है। अब भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में अनुमानों को आंकने के लिए भारतीय मॉडल ही विकसित करने की आवश्यकता है। वरना, इसी प्रकार की गलतियां इन विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा की जाती रहेंगी एवं भारत में कुछ विघ्न संतोषी पत्रकार इसी प्रकार देश के आर्थिक विकास की दर पर अपनी शंका-कुशंकाओं को समाज के बीच में लाते रहेंगे और गलत विमर्श खड़ा करने का प्रयास करते रहेंगे। हां, भारत में ऐसे कुछ क्षेत्र जरूर हैं जिनमे विकास दर को गति देने के प्रयास किए जाने चाहिए। जैसे, भारत में खदानों से उत्पादन में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, पिछले वर्ष भी इसी अवधि में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई थी। जब देश में विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा रही है तो फिर खदानों से उत्पादन क्यों नहीं बढ़ना चाहिए? इसका आशय कहीं यह तो नहीं कि हम कच्चे माल की जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा करने का प्रयास कर रहे हों। इस बीच भारत में आयात की मात्रा में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर कुछ धीमी रही है। उक्त अवधि (तिमाही) के दौरान, भारत में उत्पादों का आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जबकि भारत से उत्पादों का निर्यात 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है।

विचारों का संघर्ष और आहत होती आत्मा

> दरअसल, 8 पेरामीटर्स में 100 में से 70 से अधिक अंक अर्जित करने वाले देश ही सुपर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और अमेरिका इसमें 80.5 अंक प्राप्त कर सुपर पॉवर बना हुआ है। वहीं, चीन भी अमेरिका के पीछे-पीछे 73.7 अंकों के साथ दूसरा सुपर पॉवर बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प के आने के बाद अमेरिका ने बहुत कुछ खोया है फिर भी पहले स्थान का ताज आने वाले सालों में भी छिनता हुआ नहीं लगता है।

दीपक कुमार द्विवेदी

आज का समय सामान्य नहीं है। यह ऐसा काल है जब युद्ध धरती पर नहीं, बल्कि मानव-चेतना के भीतर चल रहा है। यह शस्त्रों का संघर्ष नहीं, विचारों का संघर्ष है। इसमें रक्त भले न बहे, पर समाज की आत्मा अवश्य आहत होती है। बाहर कोई शोर नहीं उठता, लेकिन भीतर की चुप्पी में विभाजन की प्रतिध्वनि लगातार गहराती जाती है। यह लड़ाई किसी बाहरी शत्रु के विरुद्ध नहीं, बल्कि मनुष्य को मनुष्य से, समाज को समाज से और व्यक्ति को स्वयं से अलग करने की सुविचारित प्रक्रिया है, जिसे वामपंथी मानसिकता और उसके सांस्कृतिक रूप के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। वामपंथी रणनीति का मूल सिद्धांत संघर्ष है। व्यक्ति को उसकी पहचान के आधार पर बांट दो और फिर उन खांचों में शत्रुता का बीज बो दो। जब मनुष्य अपने को अलग समझने लगता है, तब समुदाय की शक्ति टूटने लगती है। समुदाय के कमजोर पड़ते ही समाज की संरचना डगमगाने लगती है और जब समाज कमजोर होता है तब संस्कृति धीरे-धीरे ढहने लगती है। यही कारण है कि यह वैचारिक युद्ध सबसे पहले धर्म, संस्कृति, परिवार, उत्सव, आश्रम, गुरुकुल और परंपरागत सामाजिक संस्थाओं को निशाना बनाता है। पहले इनका उपहास किया जाता है, फिर उनकी उपयोगिता पर प्रश्न उठाए जाते हैं और अंत में इनके विपरीत मूल्यों का महिमामंडन किया जाता है। जब मनुष्य अपनी जड़ों पर संदेह करने लगता है, तभी उसकी पहचान सबसे अधिक कमजोर हो जाती है। इसी प्रक्रिया से एक अत्यंत खतरनाक वैचारिक औजार उभरा, जिसे द्विआधारी सिद्धांत कहा जाता है। इसका उद्देश्य हर स्थान पर दो विरोधी खेमे खड़े करना है। राम और रावण, दुर्गा और महिषासुर, ब्राह्मण और अब्राह्मण, संपन्न और विपन्न, पुरुष और स्त्री, मालिक और मजदूर। जब समाज स्वयं को दो टकराते धड़ों में देखने लगता है, तब संवाद समाप्त होता है और संघर्ष प्रारम्भ होता है। यही संघर्ष सत्ता-चिंतन के लिए सबसे प्रभावी औजार बन जाता है। पहचान-राजनीति इसी मानसिकता का विस्तार है। पश्चिम में इसका रूप नस्ली आलोचनात्मक सिद्धांत के रूप में प्रकट हुआ, जिसने कहा कि श्वेत जन्म से शोषक और अश्वेत जन्म से शोषित। भारत में इसी विचार को जाति-नस्ल सिद्धांत के रूप में लागू करने का प्रयास हुआ। इसमें प्रचारित किया गया कि ब्राह्मण जन्म से अपराधी और दलित, पिछड़ा, आदिवासी जन्म से पीड़ित। जबकि भारत का इतिहास बताता है कि जाति-आधारित कठोरता कुछ सीमित उदाहरणों का परिणाम थी, न कि संपूर्ण समाज का स्वभाव। किंतु विचारधारा ने कुछ अपवादों को ही सम्पूर्ण समाज का स्थायी चेहरा घोषित कर दिया और संवाद के स्थान पर प्रतिशोध को महत्व देने लगा। दुख को मिटाने के बजाय दुख को पहचान और राजनीति का आधार बना देना अत्यंत घातक परिवर्तन था। जब जाति का आख्यान कमजोर पड़ने लगा, तब संघर्ष के लिए नया क्षेत्र तैयार किया गया, जिसे लिंग-युद्ध का नाम दिया गया। प्रकृति में तीन प्रकार के लिंग हैं पुरुष, स्त्री और उभयलिंगी। लेकिन विचारधारा ने घोषित किया कि लिंग कोई जैविक सत्य नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक निर्माण है। देखते-देखते विश्व में सैकड़ों नई लिंग-पहचानें गढ़ दी गईं, जिनसे युवा पीढ़ी अपनी ही प्रकृति को लेकर भ्रमग्रस्त होने लगी। पहचान, जो कभी शक्ति का स्त्रोत होती थी, अब असमंजस का कारण बन गई। युवा पीढ़ी स्वयं से पूछने लगी कि मैं कौन हूँ, लेकिन उत्तर धुंधला होता गया।यही असमंजस आगे बढ़कर पहचान-संकट का रूप ले चुका है। इसी संकट को गहरा करने के लिए एक और हथियार सामने आया, जिसे पीड़ित-दावा राजनीति कहा जा सकता है। इस विचार में कहा गया कि जो स्वयं को अधिक पीड़ित घोषित करे वही नैतिक श्रेष्ठता का अधिकारी है। जिस समूह के दुख का इतिहास अधिक प्रखर दिखाया जाए, उसी को समाज में नैतिक ऊँचाई दी जाए। परिणामस्वरूप संघर्ष न्याय का नहीं रहा, बल्कि प्रतिस्पर्धी पीड़ाओं का युद्ध बन गया। अब मनुष्य मनुष्य से नहीं लड़ रहा, बल्कि एक पीड़ा दूसरी पीड़ा से लड़ रही है। और जब पीड़ा ही पहचान बन जाए, तब समाधान कोई नहीं चाहता क्योंकि समाधान से राजनीति समाप्त हो जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के पीछे वैश्विक आर्थिक शक्तियों का हित भी निहित है। टूटे हुए मनुष्य से बड़ा उपभोक्ता कोई नहीं। लिंग-भ्रम, मानसिक असुरक्षा, अकेलापन, पहचान-संकट ये सब अब बहु-अरब की अर्थव्यवस्था का स्वरूप ले चुके हैं। हार्मोन उपचार, लिंग-परिवर्तन शल्यक्रिया, मनो-परामर्श, पहचान आधारित वस्तुएँ, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की समावेशन योजनाएँ, अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन इन सबका लाभ तभी है जब समाज स्थायी रूप से विभाजित रहे। इसीलिए विश्व की आर्थिक शक्तियाँ इस संघर्ष को पोषित करती हैं और इसे संसाधन के रूप में उपयोग में लाती हैं। लेकिन यह केवल विचारों का संघर्ष नहीं है।यह मानवता के अस्तित्व का प्रश्न है। जब परिवार टूटता है तब समाज टूटता है। जब समाज टूटता है तब राष्ट्र क्षीण हो जाता है। और जब राष्ट्र कमजोर होता है तब मानवता अपने आधार से वंचित रह जाती है। मनुष्य जब अपनी पहचान, संस्कृति, परिवार और जिम्मेदारी से दूर हो जाता है, तब वह एक रिक्त खोल बनकर रह जाता है। और रिक्त खोल सभ्यता नहीं बनाते, वे अराजकता को जन्म देते हैं। आज प्रश्न यह है कि क्या आने वाली पीढ़ी भ्रम में जन्म लेगी। क्या बच्चे यह पहचान नहीं पाएंगे कि वे कौन हैं। क्या परिवार और समाज केवल इतिहास की पुस्तकों में बचेंगे। क्या मनुष्य अकेला, भयग्रस्त और दिशाहीन प्राणी बन जाएगा। या हम यह समझने के लिए उठ खड़े होंगे कि यह संघर्ष किसी जाति, धर्म, वर्ग या लिंग का नहीं, बल्कि मानवता की रक्षा का संघर्ष है। समय की मांग है कि हम संघर्ष की भाषा छोड़कर समरसता और संवाद की ओर लौटें। सत्य की ओर लौटें। क्योंकि मनुष्य विभाजन से नहीं, एकता से आगे बढ़ता है। संघर्ष से नहीं, सह-अस्तित्व से खिलता है। यह विचारों का युद्ध है और इसकी विजय भी विचारों से ही होगी। और वह विचार यही है कि मनुष्य मनुष्य का विरोधी नहीं, मनुष्य मनुष्य का सहचर है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संकटों से मुक्ति का महाव्रत

आज यानी की 02 दिसंबर 2025 को भौम प्रदोष व्रत किया जा रहा है। हर महीने के कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को प्रदोष व्रत किया जाता है। जब मंगलवार को प्रदोष व्रत पड़ता है, तो इसको भौम प्रदोष कहा जाता है। यह व्रत ऋण से मुक्ति के लिए किया जाता है। जो भी जातक प्रदोष व्रत करता है और भगवान शिव की पूजा-अर्चना करता है, उसे अपने हर काम में सफलता मिलती है। वहीं इस व्रत को करने से रोग, पाप और दोष भी दूर होते हैं। तो आइए जानते हैं भौम प्रदोष व्रत की तिथि, मुहूर्त और पूजन विधि के बारे में...

तिथि और मुहूर्त

हिंदू पंचांग के मुताबिक 02 दिसंबर की दोपहर 03:58 मिनट से त्रयोदशी तिथि लग जाएगी, जोकि अगले दिन यानी की 03 दिसंबर 2025 की दोपहर 12:26 मिनट तक रहेगी। बता दें कि प्रदोष व्रत उस दिन किया जाता है, जिस दिन त्रयोदशी की तिथि के समय तक प्रदोष काल पड़ रहा हो। लेकिन 03 दिसंबर के दिन त्रयोदशी तिथि नहीं रहेगी। ऐसे में आज यानी की 02 दिसंबर 2025 को प्रदोष व्रत किया जा रहा है।

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करने के बाद साफ कपड़े पहनें और फिर पूजा स्थल की साफ-सफाई करें। अब धूप-दीप जलाकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करें और व्रत का संकल्प करें। पूरा दिन व्रत करने के बाद प्रदोष काल में विधिविधान से भगवान शंकर की पूजा करें। इस दौरान भगवान शिव को फल-फूल और बेलपत्र आदि अर्पित करें। इसके बाद शिव चालीसा का पाठ करें और भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें। आप भोग स्वरूप भगवान शिव को तिल के लड्डू या फिर मालपुआ अर्पित कर सकते हैं। पूजा के अंत में भगवान शिव और मां पार्वती की आरती करें और घर के सदस्यों में प्रसाद वितरित करें। वहीं स्वयं भी लड्डू खाकर व्रत का पारण करें। भौम प्रदोष का व्रत करने से जातक को हर तरह के ऋण से मुक्ति मिलती है।

टिप्स

दिल्ली की हवा जान का दुश्मन

दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में सर्दियां बढ़ते ही घना धुंध, वायु प्रदूषण और ठंडी हवा का घातक मिश्रण एक गंभीर सेहत संकट पैदा करता है। प्रदूषण का लेवल बढ़ने और गिरते तापमान की वजह से अस्थमा, सांस की समस्याएं, सीओपीडी और ब्रोंकाइटिस के मरीजों की मुश्किलें काफी बढ़ जाती हैं। वहीं वातावरण में मौजूद ढट2.5 जैसे सूक्ष्म कण श्वसन मार्ग में स्थायी सूजन की समस्या पैदा करते हैं। बता दें कि इस जानलेवा वातावरण में हमारी रोजमर्रा की लापरवाहियां स्थिति को बदतर बना देती हैं और गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकती हैं। इसलिए यह समझना बेहद जरूरी है कि प्रदूषित हवा में सांस लेने से न सिर्फ हमारे फेफड़े बल्कि रक्त वाहिकाएं और हृदय भी प्रभावित होता है। हालांकि इन गंभीर सेहत संबंधी समस्याओं को कम करने के लिए आप कुछ आम और खतरनाक लापरवाहियों को फौरन सुधारना जरूरी है। यह छोटे-छोटे सुधार आपकी सेहत में बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। अधिक अदकवाले वातावरण में बाहर मॉर्निंग वॉक करना या फिर एक्सरसाइज करना सबसे बड़ी लापरवाही है। एक्सरसाइज के दौरान हम तेज और गहराई से सांस लेते हैं। जिस कारण फेफड़ों तक पहुंचने वाले ढट2.5 कणों की मात्रा कई गुना बढ़ जाती है। फिर यह कण खून में मिलकर सूजन पैदा करते हैं और हृदय पर भी दबाव डालते हैं। घर के अंदर धूम्रपान करना या धूपबत्ती/मच्छर कॉइल जलाना इनडोर प्रदूषण को बढ़ा देता है। बंद कमरे में इन चीजों का धुआं आसानी से बाहर नहीं निकल पाता है। जिस कारण ढट2.5 कणों का लेवल तेजी से बढ़ता है और सांस की नली में जलन पैदा करता है। जब अदक'बहुत खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में हो, तब ठ99 या ठ95 मास्क न पहनना खतरनाक साबित हो सकता है। यह मास्क ही एक ऐसा प्रभावी तरीका है, जो सूक्ष्म ढट2.5 कणों को फेफड़ों तक पहुंचने से रोकता है। बिना मास्क पहने घर से बाहर निकलना हृदय और फेफड़ों को सीधे नुकसान पहुंचाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

तत्काल टिकटों के लिए ओटीपी आधारित टिकटिंग प्रणाली लागू करने का निर्णय जल्द लागू होगा : डीआरएम

साहिबगंज : मालदा डीआरएम के द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता को और मजबूत करने के उद्देश्य से खिड़की से मिलने वाले तत्काल टिकटों के लिए ओटीपी आधारित टिकटिंग प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। यह नई व्यवस्था अगले कुछ दिनों में देशभर के सभी आरक्षण काउंटरों पर लागू कर दी जाएगी।रेलवे ने जुलाई 2025 में ऑनलाइन तत्काल टिकटों के लिए आधार ओटीपी सिस्टम लागू किया था। इसके बाद अक्टूबर 2025 में सभी सामान्य आरक्षण बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित ऑनलाइन टिकटिंग प्रणाली शुरू की गई। इन दोनों पहल को यात्रियों ने व्यापक रूप से स्वीकार किया, जिससे टिकटिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनी।रेलवे द्वारा नवंबर 2025 को काउंटर बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित तत्काल टिकट प्रणाली का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। वर्तमान में यह सिस्टम 52 ट्रेनों पर लागू किया जा चुका है। इस व्यवस्था के तहत काउंटर पर तत्काल टिकट बुक कराते समय यात्री के फॉर्म में दर्ज मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाता है और वेरिफिकेशन के बाद ही टिकट जारी किया जाता है। आगामी दिनों में इस सिस्टम को शेष सभी ट्रेनों पर लागू कर दिया जाएगा।यह कदम तत्काल टिकटों के दुरुपयोग पर रोक लगाने और वास्तविक यात्रियों को अधिक सहज पारदर्शी और भरोसेमंद टिकटिंग सेवा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिले के राजू कुमार कुश्ती में भाग लेने के लिए गोरखपुर रवाना

फोटो नवम्बरः0243 है।
कैप्शनःराजू कुमार

साहिबगंज : गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 30 नवंबर से 04 दिसंबर 2025 तक गोरखपुर उत्तर प्रदे में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती एस जी एफ आई प्रतियोगिता, अंडर 19 आयु वर्ग में भाग लेने के लिए जिले के चांद भैरव इनडोर स्टेडियम साहिबगंज के संचालित खेलो इंडिया कुश्ती केंद्र के प्रशिक्षु राजू कुमार 60 किलो वर्ग ग्रीकोरोमन स्टाइल कुश्ती में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए रांची में आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर के उपरांत रवाना हो चुके हैं।राजू कुमार को उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आई टी डी ए निदेशक संजय कुमार अपर समाहर्ता श्री गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला कुश्ती सचिव नमिता कुमारी,खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल, खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभ कामना दी।

विश्व हिंदू परिषद् के नेताओं का हुआ बाबा नगरी में स्वागत

बासुकीनाथ : विश्व हिंदू परिषद् के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक दिनेश चंद्र, उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री झारखंड प्रांत के संगठन मंत्री देवी लाल एवं झारखंड प्रांत के सह मंत्री रामनरेश के बाबा नगरी बासुकीनाथ धाम पहुंचने पर मंगलवार को परिषद् के कार्यकताओं के द्वारा स्वागत किया गया. मौके पर विश्व हिंदू परिषद् के नगर मंत्री दामोदर पंडा, नगर अध्यक्ष पंकज यादव ,नगर कार्यवाह संजय अग्रवाल, नंद किशोर, जिला सत्संग प्रमुख सरोज, जिला संगठन प्रमुख समरेश, बजरंग दल के जिला सह संयोजक दिलखुश ठाकुर राहुल पंडा, सौरव पंडा, रितेश पंडा, लालू पंडा एवं विक्रम जिला संयोजक धर्म जागरण समन्वय मौजूद थे । मौके पर दामोदर पंडा ने उपस्थित नेताओं को बाबा बासुकीनाथ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

अनाथ बच्चों को गोद लेने के लिए आगे आयें दंपती, प्रशासन करेगा पूरा सहयोगः उपायुक्त

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया कि देवघर जिला अन्तर्गत वैसे दंपति जो बच्चों को गोद लेना चाहते है, जिला प्रशासन वैसे परिवारों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा जो अनाथ बच्चों को गोद लेना चाहते है। इसके अलावा इस क्रम में दत्तक ग्रहण विनियम 2022 के प्रावधानों के तहत सभी आवश्यक प्रक्रिया का पालन करते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी द्वारा तीन बच्चियों के दत्तक ग्रहण का अंतिम आदेश पारित किया गया। इस आदेश के परिणामस्वरूप अनाथ एवं परित्यक्त बच्चों को एक स्नेहिल परिवार (माता -पिता) मिल गया। आगे उपायुक्त ने अपील करते हुए कहा है कि ऐसे दंपति जो बच्चे को गोद लेना चाहते हैं, वे आगे आए एवं ऐसे बच्चों को गोद ले सकते हैं, ताकि इन ऐसे बच्चों को भी समाज के मुख्यधारा से जोड़ते हुए बेहतर भविष्य, बेहतर शिक्षा एवं बेहतर कल प्रदान किया जा सके। ज्ञात हो कि दो भारतीय और एक विदेशी दंपति ने बच्चियों को गोद लिया है।

नियम और प्रक्रिया के तहत दिये जा रहे है बच्चों को गोद....

आप अनाथ बच्चों को गोद लेना चाहते है, तो दत्तक ग्रहण विनियम-2022 के प्रावधानों के तहत सभी आवश्यक प्रक्रिया का पालन करते हुए अनाथ बच्चे को गोद ले सकते हैं। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के निर्देश पर दत्तक ग्रहण का अंतिम आदेश पारित करता है। साथ ही इसके बाद अनाथ और परित्यक्त बच्चों को एक स्नेहिल परिवार (माता -पिता) मिलता है।

सेलो टेप से लिपटा हुआ निकाला विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता की शव फैली सनसनी

विश्वनाथ प्रसाद तीसरी मंजिल के एक रूम में रहते थे नीचे में उनके ही परिवार के लोग रहते है : संजय

संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के तालबन्ना रोड़ निवासी विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता 75 वर्ष की हत्या किसी अज्ञात ने मंगलवार की रात्रि ने कर दी हैं।शव तीसरी मंजिल के एक रूम में मिला जिनका शव को सेलो टेप से हाथ पैर बांध दिया गया था।साथ ही टेप को मुंह में भी सटा गया था।इधर सूचना पर मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता जिरवाबाड़ी प्रभारी शशि सिंह गंगा नदी प्रभारी लव कुमार, मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडेय सहित दर्जनों की संख्या में पुलिस बल पहुंचे। भाई संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि विश्वनाथ प्रसाद तीसरी मंजिल के एक रूम में रहते थे नीचे में उनके ही परिवार के लोग रहते हैं। सुबह में लोग उठे तो उनके रूम गए तो देखा कि सेलो टेप से हाथ और पर बंधा हुआ है और वह मृत पड़े हैं अब इसकी जानकारी नगर थाना पुलिस को दी गई। इधर पुलिस प्रशासन घटना पर

कैप्शनः पुलिस प्रशासन शव ले जाते

पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गए और स्वजनों से पूछताछ की प्रक्रिया प्रारंभ की। इधर डॉग स्कॉट की टीम को बुलाया की मांग की किया।

विश्वनाथ प्रसाद हाथ पैर था बंधा

विश्वनाथ प्रसाद अपने मकान के तीन मंजिला के एक रूम में रहते थे । सुबह में उसकी एक भतीजी जब रूम आई तो देखा कि रूम खुला हुआ है विश्वनाथ गुप्ता जमीन पर पड़े हुए हैं उनका हाथ सेलो टेप से बंधा हुआ है दोनों पैर को भी सेलो टेप से बांध हुआ था और मुंह में भी सेलो टेप लगा हुआ है रूम का सारा सामान बिखरा पड़ा है अलमारी, बक्सा टुटा हुआ है किसी ने उनका सोने का हार अंगूठी नगद गायब भी है। फिर भतीजी ने इसकी जानकारी अपने पूरे स्वजनों को दिया फिर स्वजनों ने इस घटना की जानकारी नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता को दिया। इधर छान दिन के दौरान पुलिस ने एक बैंक खाता को जब्त किया है सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता का कहलगांव में कुछ जमीन था जो वहां से फोर लेन सड़क पर होना था जिसका मुआवजा मिलने की बात सामने आई है।

अश्लील नृत्य के बहाने चल रहा लाखों का जुआ, समाज में पड़ रहा गहरा प्रभाव

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र में पिछले एक महीने से गैरकानूनी गतिविधियों का बोलबाला जारी है। जानकारी के अनुसार किश्टोपुर गांव के दक्षिण बहियार इलाके में दो दिनों से अश्लील कार्यक्रमों के सहारे लाखों का जुआ खेलाए जाने का सिलसिला लगातार चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि आयोजक बिहार, झारखंड,पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से नर्तकियों को बुलाकर अश्लील नृत्य करवाते है और बड़े पैमाने पर जुआ संचालन कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र का सामाजिक वातावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। लोग ऐसे आयोजनों से काफी परेशान हैं। प्रतिदिन रात में डीजे की तेज आवाज और अवैध भीड़भाड़ के कारण आसपास रहने वाले ग्रामीणों की नींद हराम हो चुकी है। बच्चों की पढ़ाई पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि इस आयोजन के दौरान दूर-

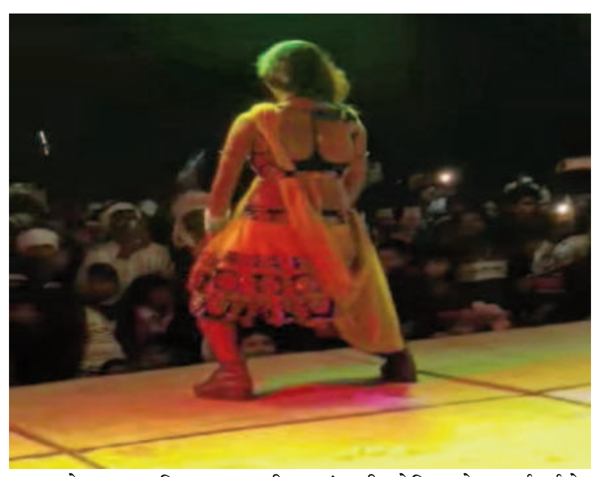

दराज के असामाजिक तत्व भी जुटते हैं। किशोर, युवक और कई उम्रदराज लोग भी रात देर तक अश्लील नृत्य देखने के लिए पहुँचते हैं। इससे न सिर्फ स्थानीय माहौल बिगड़ रहा है, बल्कि अपराध बढ़ने की आशंका भी बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन ठोस कार्रवाई के अभाव में यह धंधा फिर से शुरू हो जाता है। प्रशासनिक उदासीनता को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जाहिर की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि ऐसे अवैध आयोजनों पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि क्षेत्र में शांति बहाल हो सके और बच्चों के भविष्य पर पड़ रहा नकारात्मक असर समाप्त हो।

नाबालिग का बाल विवाह होने से प्रशासन और चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने रूकवाया

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत उत्तर पियारपुर गांव में मंगलवार को एक नाबालिग के बाल विवाह होने से रूकवाया गया। जानकारी के अनुसार प्रशासन को सूचना मिली की थाना क्षेत्र के उत्तर पियारपुर पंचायत में एक नाबालिग का बाल विवाह होने जा रहा है। त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज राधानगर थाना और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने उत्तर पियारपुर गांव पहुंचकर बाल विवाह रोकने में सफल रही। चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर मिली जानकारी के अनुसार उत्तर पियारपुर में एक नाबालिग का विवाह दो दिसंबर 2025 को कराने की तैयारी चल रही थी। सूचना मिलते ही राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, उधवा बीडीओ सह सीओ जयंत तिवारी, चाइल्ड हेल्पलाइन से संजीव कुमार सिंह और अवधेश कुमार

व जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अधिकार रूपेश्वर कुमार सरकार और स्थानीय मुखिया तुरंत मौके पर पहुंचकर बाल विवाह को रूकवाया। टीम ने परिजनों से बात की परामर्श दिया और बाल विवाह से होने वाले कानूनी जोखिमों एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी देकर विवाह को तत्काल रुकवाया। परिजनों ने लिखित रूप से यह आश्वासन दिया कि लड़की की उम्र 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह किया जाएगा। इसी वर्ष 11 मई 2025 को भी चाइल्ड हेल्पलाइन टीम के संजीव कुमार सिंह और अवधेश कुमार, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज और जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अधिकार रूपेश्वर कुमार सरकार ने उत्तरी सरफराजगंज में एक अन्य बाल विवाह को रोककर सराहनीय उदाहरण पेश किया था।

यात्री टिकट के साथ सुरक्षित यात्रा वातावरण बनाए रखने में सहयोग करें : रेल प्रबंधक

संवाददाता

साहिबगंज : पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा अपने मंडलाधिकार क्षेत्र में अनुशासित जिम्मेदार व यात्री-अनुकूल यात्रा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास जारी हैं। मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के निर्देशन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मालदा के कार्तिक सिंह के पर्यवेक्षण में नवंबर 2025 के दौरान व्यापक टिकट जांच अभियान और यात्री जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए गए। नवंबर माह के दौरान कुल 20,127 बिना टिकट अनियमित यात्राओं के मामले दर्ज किए गए । जबकि लगभग ₹1,41,98,507/- की राशि दंड के रूप में वसूल की गई। यह व्यापक जांच अभियान प्रमुख स्टेशनों व विभिन्न ट्रेनों में वाणिज्य निरीक्षकों। टिकट जांच कर्मचारियों एवं रेलवे सुरक्षा बल के सहयोग से संचालित किया गया।यात्रियों की सुगम आवाजाही एवं सुव्यवस्थित यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने हेतु मालदा मंडल द्वारा भीड़भाड़ वाले स्टेशन ट्रेनों में टिकट जांच गतिविधियों को और अधिक सघन किया गया है। साथ ही यात्रियों को वैध टिकट के साथ यात्रा करने टिकट काउंटरों पर अंतिम समय में भीड़ से बचने हेतु जागरूकता अभियान भी निरंतर जारी हैं।इसके अतिरिक्त यात्री सुविधा बढ़ाने एवं डिजिटल टिकटिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंडल के विभिन्न बड़े स्टेशनों -मालदा टाउन न्यू फरक्का बरहरवा, साहिबगंज भागलपुर सुल्तानगंज जमालपुर पर -आरएआईएलओएनइ ऐप युटीआईएएस ऑन मोबाइल ऐप एटीईभीएएम मशीनों के उपयोग से संबंधित विशेष जागरूकता प्रचार कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। ताकि टिकट बुकिंग को अधिक सुविधाजनक कैशलेस एवं परेशानी-रहित बनाया जा सके।वैध टिकट के बिना यात्रा करना भारतीय रेलवे अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। मालदा मंडल की ओर से सभी यात्रियों से अपील है कि वे वैध टिकट के साथ यात्रा करें और निष्पक्ष पारदर्शी और सुरक्षित यात्रा वातावरण बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

संत जेवियर स्कूल ने 121 रन से जीत हासिल की

संवाददाता

साहिबगंजः जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूनामेंट के तहत मंगलवार को संत जेवियर स्कूल ए बनाम रेलवे स्कूल के बीच मैच खेला गया। संत जेवियर स्कूल ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 275 रम बनाये। शांतनु कुमार ने 71, अभिषेक कुमार ने नाबाद 72 व यश कुमार ने नाबाद 22 रन की पारी खेली। रेलवे स्कूल के गेंदबाज शाहजेब अहमद ने 4 व शिवम गुप्ता ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी रेलवे स्कूल की टीम 17 ओवर में 154 रन बना कर ऑल आउट हो गई। उमंग आनंद ने 36, अमन अंसारी ने 19, अनस अंसारी ने 14 रन की पारी खेली। संत जेवियर के गेंदबाज आदित्य यादव ने 3 व सूरज राज ने 2 विकेट लिए। संत जेवियर स्कूल ने 121 रन से जीत हासिल की। संत जेवियर के खिलाड़ी अभिषेक कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि चंदन श्रीवास्तव ने अभिषेक को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व हयातुल्लाह एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया। टूनामेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि 03 दिसंबर माही स्पोर्ट्स ब्लू बनाम बरहरवा जूनियर ए के बीच मैच खेला जाएगा।

दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस अधीक्षक कार्यालय साहिबगंज में आईआरएडी इडीएआर प्रणाली से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों में त्वरित सटीक एवं प्रभावी डाटा प्रबंधन, साथ ही पीड़ितों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाना था कार्यक्रम के तहत निम्न प्रमुख विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया । इडीएआर पोर्टल के माध्यम से दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया। सभी थानों द्वाराआईआरएडी इडीएआर पोर्टल पर दुर्घटना डेटा की समय पर एवं सटीक प्रविष्टि सुनिश्चित करना। एल्कोहल ब्रेथ एनालाइजर मशीन के

आईआरएडी इडीएआर प्रणाली से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजिमाध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की जांच की मानक प्रक्रिया। एचआईटी और आरयुएन मामलों के प्रभावी प्रबंधन से संबंधित दिशा-निर्देश।नेक नागरिक से संबंधित प्रावधान व उनके संरक्षण के नियमों का प्रशिक्षण।इस अवसर पर मुख्यालय डीएसपी श्री विजय कुमार कुशवाहा आईआरएडी इडीएआर मैनेजर मनोज कुमार, एनएलसी साहिबगंज टीम, तथा जिले के सभी थाना प्रभारियों एवं पदाधिकारियों की सक्रिय उपस्थिति रही।बैठक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, त्वरित केस प्रोसेसिंग, तथा सड़क सुरक्षा को और अधिक मजबूत एवं परिणामोन्मुख बनाया जाए। जिला पुलिस प्रशासन द्वारा यह पहल सड़क सुरक्षा के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम है।

राशि खन्ना ने जताया फैंस का आभार, बोलीं-

'बेहद खास रहा यह जन्मदिन'

अपनी हालिया रिलीज फिल्म '120 बहादुर' की सफलता से गदगद अभिनेत्री राशि खन्ना का इस बार जन्मदिन भी बेहद खास रहा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने अपना 35वां जन्मदिन कैसे सेलिब्रेट किया। राशि ने रविवार को अपना 35वां जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया। इस बार उनका बर्थडे शोर-शराबे से दूर, अपनों के बीच प्यार और शांति से भरा रहा। राशि ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जन्मदिन पर प्यार लुटाने वालों का आभार जताया। उन्होंने परिवार और दोस्तों के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए फैंस के साथ ही शुभचिंतकों का दिल से आभार जताया। राशि खन्ना ने लिखा, 'कुछ जन्मदिन बहुत शोरगुल वाले होते हैं, यह वाला बहुत गर्मजोशी भरा था, प्यार से भरे फैन मीट से लेकर घर पर अपनों के बीच शांत सत्संग तक, यह जन्मदिन सच में बहुत खास था। राशि खन्ना ने आगे बताया कि उन्हें मिले ढेरों शुभकामनाओं की वजह से वह बेहद खुश हैं और इसके लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'बहुत आभारी हूं। उन सभी का धन्यवाद जिन्होंने मुझे विश करने के लिए समय निकाला। ढेर सारा प्यार। तस्वीरों में राशि अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ हंसते-मुस्कुराते और जन्मदिन का जश्न मनाती नजर आईं। पोस्ट की गई तस्वीरों में से एक में वह पारंपरिक कुर्ती-पायजामा पहने सत्संग के बीच शांत भाव से बैठी दिखीं, तो दूसरी तस्वीरों में केक काटते और अपनों से गले मिलते हुए बेहद खुश नजर आईं। फैंस के साथ हुई मुलाकात की कुछ झलकियां भी उन्होंने पोस्ट की। राशि खन्ना की पोस्ट पर फैंस के साथ ही एक्ट्रेस वाणी कपूर भी कमेंट करती नजर आईं।

चार महीने के बच्चे ने

मनोज पाहवा की उम्मीदों पर फेरा पानी

अभिनेता ने सुनाया 'सिंगल पापा' के सेट का मजेदार किस्सा

फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग सेट पर ऐसे कई पल छिपे रहते हैं जो कलाकारों के लिए यादगार बन जाते हैं। कुछ पल मजेदार होते हैं, तो कुछ थोड़े चुनौतीपूर्ण और कुछ बिल्कुल उम्मीदों से परे होते हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प किस्सा दिग्गज अभिनेता मनोज पाहवा ने इंटरव्यू के दौरान साझा किया, जो उनकी आने वाली सीरीज 'सिंगल पापा' की शूटिंग से जुड़ा है। मनोज पाहवा ने बातचीत में बताया कि 'सिंगल पापा' के सेट पर चार महीने के बच्चे के साथ शूटिंग करते हुए उन्हें एक अनोखा अनुभव हासिल हुआ। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''इस बार बच्चे ने मुझे निराश कर दिया। मैंने अपने करियर की शुरुआत में 'जस्ट मोहब्बत' और 'बोल बेबी बोल' जैसे शो में बच्चों के साथ काफी काम किया है। उस समय बच्चों के साथ शूटिंग करना मेरे लिए एक अलग तरह का फायदा होता था। बच्चे अक्सर शूटिंग से अचानक गायब हो जाते थे, कभी घुड़सवारी करने चले जाते, कभी खेलने निकल पड़ते। ऐसे में शूटिंग रुक जाती थी और कलाकारों को बीच-बीच में आराम भी मिल जाया करता था।'' उन्होंने कहा, ''इसी पुराने अनुभव के आधार पर मैंने मान लिया था कि इस बार भी कुछ ऐसा ही होगा। मैंने सोचा था कि चार महीने का बच्चा है, बीच-बीच में रोएगा, शूट रुक जाएगा और मुझे भी थोड़ा ब्रेक मिल जाएगा। लेकिन मेरी उम्मीदें पूरी तरह गलत साबित हुईं। इस बार का छोटा कलाकार बेहद अलग निकला।' मनोज ने हंसते हुए कहा, ''बच्चा इतना प्रोफेशनल था कि मैं खुद चौंक गया। वह बिलकुल शांत रहता था, कैमरे की तरफ आसानी से देख लेता था और किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं आने देता था।' उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि लगता है जैसे वह मां के पेट से ही अभिनय सीखकर आया हो। सीरीज 'सिंगल पापा' में मनोज पाहवा के साथ कुणाल खेमू, आयशा रजा और प्राजक्ता कोली भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी कुणाल खेमू का किरदार गौरव गहलोत उर्फ 'जीजी' के इर्द-गिर्द घूमती है। जीजी का स्वभाव थोड़ा बचकाना है। तलाक के तुरंत बाद वह एक बच्चा गोद लेने का फैसला करता है, जिससे उसका परिवार हक्का-बक्का रह जाता है। उन्हें यकीन ही नहीं होता कि जो आदमी अपनी जुराबें कहीं रखकर भूल जाता है, वह एक बच्चे की जिम्मेदारी कैसे उठा पाएगा। इसी उलझन और हलचल के बीच परिवार के भीतर कई मजेदार और भावुक स्थितियां पैदा होती हैं, जो कहानी को आगे बढ़ाती हैं।

कॉमेडियन भारती सिंह ने करवाया मैटरनिटी फोटोशूट

कॉमेडियन भारती सिंह जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। हाल ही में भारती और हर्ष लिंबाचिया ने इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट की थी, जिसके बाद अब भारती ने मैटरनिटी फोटोशूट की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की हैं। भारती ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम से तस्वीरें पोस्ट कर लिखा है, 'दूसरा बेबी लिंबाचिया आ रहा है'। इसके साथ ही भारती ने बेबी और इविल आई का इमोजी भी शेयर की है। भारती सिंह के अलावा उनके पति हर्ष लिंबाचिया ने भी दूसरे शूट की तस्वीरें शेयर कर लिखा है, 'सबसे छोटी लात, सबसे बड़ी फीलिंग।

भावनाओं तक पहुँच पाना एक्टर के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं, ज़रूरत है: कुब्रा सैत

कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी कच्ची, सच्ची परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए वे कहती हैं, 'एक्टर के तौर पर मैंने सीखा कि अगर आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप एक्टर बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुँचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक

डायरेक्टर अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूँगी। यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, ताकि भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई। हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें ज़िंदा रखती है। हालांकि अभिनय के बाहर, असल ज़िंदगी में, दुनिया हमेशा इतनी माइंडफुल नहीं होती इसलिए कभी-कभी खिड़की की बजाय पूरी बाँध खुल जाती है और हमारी भावनाएँ हम पर हावी हो जाती हैं। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम अक्सर अपने ही विचारों और अपने ही एक्सप्रेशंस में उलझ जाते हैं और हर चीज़ को 'ट्रिगर' कहने लगते हैं, जबकि कई बार हम बस चिढ़े हुए या परेशान होते हैं। यही ट्रिगर हमें हमारे अतीत में खींच ले जाता है, लेकिन चिढ़ और परेशानी वर्तमान की होती है।

एक-दूजे में खोए नजर आए न्यूली वेड कपल

साउथ की फैमस एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु और राज निदिमोरू शादी के बंधन में बंध गए हैं, जिसकी इनसाइड तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहीं हैं. साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट में हैं. लंबे समय से चल रही डेटिंग अफवाहों के बीच आखिरकार एक्ट्रेस ने फिल्ममेकर राज निदिमोरू से शादी कर ली है. 1 दिसंबर को हुई उनकी इंटीमेट वेडिंग की इनसाइड तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है. फैंस सामंथा के इस नए सफर को लेकर बेहद खुश नजर आ रहे हैं और उन्हें ढेरों शुभकामनाएं भी दे रहे हैं.

कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में पारंपरिक साउथ इंडियन रीति-रिवाजों से शादी की गई. यह सेरेमनी बेहद प्राइवेट रखी गई थी, जिसमें सिर्फ कपल के करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे. सामंथा की खास दोस्त शिल्पा रेड्डी ने शादी की ये खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं हैं.

अपनी मेहनत और हौसले के बलबूते पर प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। हिंदी सिनेमा में भी एक्ट्रेस को काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन अब वे ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं और बॉलीवुड-हॉलीवुड दोनों तरह की फिल्मों से फैंस का दिल जीत रही हैं।

हॉलीवुड में कुछ बड़ा करना चाहती हैं प्रियंका चोपड़ा

हालांकि, आज भी प्रियंका का कहना है कि हॉलीवुड में उन्हें बहुत कुछ करना है। प्रियंका चोपड़ा ने साल 2015 में अमेरिकी टीवी सीरीज 'क्वांटिको' से हॉलीवुड में कदम रखा और उसके बाद 'बेवॉच', 'इजंट इट रोमांटिक', 'द व्हाइट टाइगर', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस', 'हेड्स ऑफ स्टेट्स', और एक्शन थ्रिलर सीरीज 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया। अपनी हॉलीवुड जर्नी पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कहा, 'मैं इन सब के बारे में थोड़ा सोचती हूं, क्योंकि एक कलाकार होने के नाते मुझे अंग्रेजी भाषा में अभी और भी काम करना है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैंने हिंदी सिनेमा में लगभग हर तरह का काम किया है और अब मैं वैसा ही काम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करना चाहती हूं। प्रियंका ने आगे कहा कि वे ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करना चाहती हैं जिनके किरदार या फिल्म संस्कृति से जुड़े हों और लोगों को उनसे प्रेरणा मिले। अपनी खुद की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वे 'बॉर्न हंग्री' जैसी और खूबसूरत कहानियों पर काम करना चाहती हैं। एक्ट्रेस निर्देशक बैरी एवरिच के साथ मिलकर और प्रोजेक्ट्स भी करना चाहती हैं।

'सैयारा' की रिलीज से पहले अहान पांडे ने अनन्या को बताया था सीक्रेट

इस साल दो नए कलाकारों की फिल्म 2025 में बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही। हम बात कर रहे हैं 'सैयारा' की, जिसका निर्देशन मोहित सूरी ने किया। इस फिल्म ने पूरे देश के दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म के कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा रातोंरात स्टार बन गए। लेकिन क्या आपको पता है कि अहान पांडे डेब्यू से पहले काफी नर्वस थे? इस बारे में उन्होंने अनन्या पांडे को बताया भी था। हाल ही में अनन्या पांडे इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट में शामिल हुईं। उन्होंने यहां 'सैयारा' की रिलीज से पहले अहान पांडे के साथ हुई बातचीत के बारे में बताया। अनन्या ने

कहा 'मेरे भाई अहान की फिल्म 'सैयारा' के बारे में कोई नहीं जानता था। किसी को यह भी नहीं पता था कि यह फिल्म आ रही है। अहान को कोई नहीं जानता था। अनीत को कोई नहीं जानता था। मुझे याद है कि फिल्म के आने से 3-4 दिन पहले मेरी अहान से क्या बात हुई थी। अहान कह रहा था मुझे नहीं पता क्या होगा। मैं उम्मीद करता हूं लोग मेरी फिल्म देखेंगे। मैं कह रही थी कि लोग फिल्म देखेंगे। पहले दिन इसने 22 करोड़ कमाए, जो कि काफी अच्छा कलेक्शन था।' अनन्या ने बताया कि शाहरुख खान ने उनको एक्टिंग की एक टिप्स दी। उन्होंने कहा 'शाहरुख खान ने एक बार मुझसे कहा था कि जब कोई सीन हो जिसमें कोई मर जाता है या ऐसा ही कुछ होता है, तो यह सोचने के बजाय कि वह व्यक्ति मर गया है, यह सोचो कि उसके बिना जिंदगी कैसी होगी। जैसे कि जिंदगी चल रही लेकिन वह इंसान यहां नहीं है। या उस इंसान के साथ बिताए खुशी के पलों के बारे में सोचना और वो आपको दुखी कर देगा।

एमएलसी: सिएटल ऑर्कास के नए कोच बने एडम वोगेस

एजेंसी

नई दिल्ली : वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच एडम वोगेस अगले सीजन से मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में सिएटल ऑर्कास की कमान संभालेंगे। ऑर्कास ने लगातार पाँच मैच हारने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कोच मैथ्यू मोट को बर्खास्त किया था, जिसके बाद वोगेस को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वोगेस ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह मौजूदा घरेलू सीजन के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच पद से हट जाएंगे। ऐसे में उनके एमएलसी की किसी टीम के साथ जुड़ने की संभावना पहले से ही जताई जा रही थी। वोगेस ने फ्रेंजाइजी के हवाले से कहा, ह्लमैं सिएटल ऑर्कास के साथ जुड़कर काफी उत्साहित हूं। एमएलसी लगातार आगे बढ़ रहा है और मैं टीम को मैदान के अंदर और बाहर सफलता दिलाने की कोशिश करूंगा। 2018 में जस्टिन लैंगर की जगह लेने के बाद से वोगेस ने

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया को अभूतपूर्व सफलता दिलाई। उनकी कोचिंग में टीम ने कई खिताब अपने नाम किए और उन्हें भविष्य में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। मैकडॉनल्ड का वर्तमान अनुबंध 2027 तक है, लेकिन वह इसके आगे बढ़ाने के इच्छुक नहीं माने जा रहे। वोगेस ऑस्ट्रेलिया ए और राष्ट्रीय टीम के साथ भी कोचिंग का अनुभव रख चुके हैं। साथ ही, उन्होंने अपनी टी20 फ्रेंचाइजी कोचिंग यात्रा की शुरूआत ह्यद हंड्रेडह्न में ट्रेंट रॉकेट्स के सहायक कोच के रूप में की है। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट वोगेस को अपने बीबीएल फ्रेंचाइजी पर्थ स्कॉर्चर्स के कोच के रूप में बनाए रखने पर भी बातचीत कर रहा है। उनके नेतृत्व में स्कॉर्चर्स ने बीबीएल 11 और बीबीएल 12 के खिताब जीते थे। एक खिलाड़ी के तौर पर भी वोगेस दो बार टीम को चैंपियन बना चुके हैं। वोगेस के हटने के बाद ब्यू कैसन और टिम मैकडोनाल्ड वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के नए मुख्य कोच के दावेदार हो सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में 61.87 की औसत से 20 मैच खेलने वाले वोगेस का मुख्य लक्ष्य ऑर्कास को फिर से शीर्ष पर पहुंचाना होगा। 2023 में फाइनल खेलने वाली यह टीम 2024झ25 में सिर्फ 17 में से 4 मैच जीत सकी थी।

इंग्लैंड के महान क्रिकेटर 62 वर्षीय रॉबिन स्मिथ का निधन

पर्थ : इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रॉबिन स्मिथ का पर्थ में उनके घर पर अचानक निधन हो गया। वे 62 वर्ष के थे। स्मिथ को उनकी घुँघराली बालों के कारण श्द जजश् के नाम से जाना जाता था। स्मिथ ने 1988 से 1996 के बीच इंग्लैंड के लिए 62 टेस्ट मैच खेले और 4,236 रन बनाए। उनका औसत 43.67 रहा और उनके नाम 9 टेस्ट शतक दर्ज हैं। उनकी पहचान का प्रमुख शॉट स्क्वेयर कट था। उन्होंने 71 वनडे भी खेले और 1992 विश्व कप फाइनल तक पहुंचने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1993 में एजबेस्टन में खेली गई उनकी नाबाद 167 रन की पारी 2016 तक इंग्लैंड का एकदिनी रिकॉर्ड रही। परिवार ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के माध्यम से बयान जारी किया कि रॉबिन सोमवार, 1 दिसंबर को अपने साउथ पर्थ स्थित अपार्टमेंट में अचानक चल बसे और मौत का कारण अभी अज्ञात है। परिवार ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके शराब और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पुराने मुद्दों के आधार पर मृत्यु पर किसी तरह की अटकलें न लगाई जाएँ। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में ब्रिटिश माता-पिता के घर जन्मे रॉबिन स्मिथ बाद में अपने भाई क्रिस स्मिथ के साथ इंग्लैंड आए। उन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हेडिंग्ले में टेस्ट डेब्यू किया।

एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025: स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराकर भारत क्वार्टरफाइनल में

- 05 दिसंबर को बेल्जियम से भिड़ंत

एजेंसी

चेन्नई/मदुरै : भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में अपने शानदार अपराजित अभियान को जारी रखते हुए मंगलवार को स्विट्जरलैंड को 5-0 से मात देकर क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली। रोहित की कप्तानी और पी.आर. श्रीजेश की कोचिंग में खेल रही भारतीय टीम अब 05 दिसंबर को बेल्जियम से मुकाबला करेगी।

मैच की दमदार शुरूआत: मनमीत सिंह और शारदानंद तिवारी की चमक भारत ने मैच की शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा। मुकाबले का पहला गोल दूसरे ही मिनट में जन्मदिन मना रहे मनमीत सिंह ने दागा। उन्होंने 11वें मिनट में एक और शानदार फील्ड गोल कर भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी।

इसके तुरंत बाद, 13वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया। साइक्लोन के बावजूद बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शकों को भारतीय खिलाड़ियों के तेजतर्रार खेल ने रोमांचित कर दिया।

हाफटाइम से पहले भारत का दबदबा कायम

पिछले मैच में ओमान के खिलाफ हैट्रिक लगाने वाले अर्शदीप सिंह ने 28वें मिनट में भारत का चौथा गोल दागा। उधर, गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने स्विट्जरलैंड के कई हमलों को शानदार बचाव से नाकाम किया।

चौथे क्वार्टर में भी नहीं रुका भारत का आक्रमण

भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी अपना दबदबा बनाए रखा। 54वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए न सिर्फ टीम का पांचवां गोल दागा, बल्कि ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्न भी बने। इससे मैच पूरी तरह भारत के पक्ष में मुहर लग गई और स्विट्जरलैंड वापसी की कोशिश भी नहीं कर सका।

नॉकआउट से पहले भारत का धमाकेदार प्रदर्शन

भारत इससे पहले चिली को 7-0 और ओमान को 17-0 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश कर चुका है। स्विट्जरलैंड पर 5-0 की बड़ी जीत ने टीम के आत्मविश्वास को और मजबूत किया है। अब असली अग्निपरीक्षा झ क्वार्टरफाइनल में बेल्जियम से भिड़ंत भारत 05 दिसंबर को चेन्नई में क्वार्टरफाइनल में उतरेगा, जहां उसका सामना मजबूत टीम बेल्जियम से होगा। टीम की लगातार फॉर्म और आक्रामक खेल को देखते हुए भारतीय दर्शकों को एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

हिमाचल में दिसंबर में प्रचंड ठंड, सीजन की सबसे सर्द रात

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में दिसंबर में प्रचंड ठंड पड़ रही है और मंगलवार रात राज्य में इस सीजन की सबसे सर्द रात दर्ज की गई जनजातीय इलाकों में ठंड भयंकर स्तर पर पहुंच चुकी है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान -9.8 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान है। बीती रात यहां पारा करीब 2 डिग्री गिरा और पानी के स्त्रोत जम गए। इसी तरह अन्य जनजातीय क्षेत्रों में कुकुमसेरी में -3.9 डिग्री और किन्नौर के कल्पा में -1.5 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। राज्य में सूखी सर्दी लोगों को परेशान कर रही है

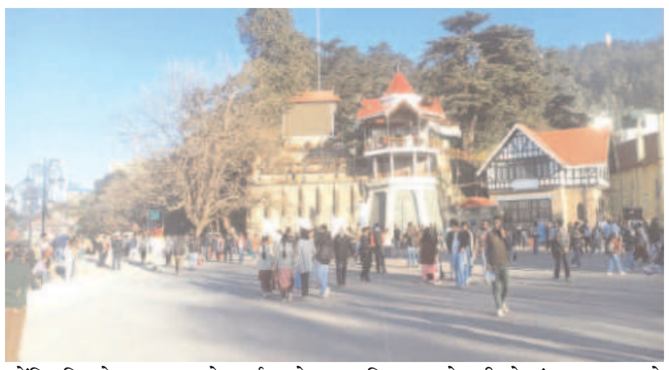

क्योंकि पिछले एक माह से वर्षा न के बराबर हुई है। नवंबर में बारिश सामान्य से 95 प्रतिशत कम रही। बारिश न होने से फसलों की बिजाई का काम प्रभावित हुआ है और किसान बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पहाड़ी पर्यटक स्थलों में भी कड़ाके की ठंड बढ़ गई है। मनाली में न्यूनतम पारा 1.9 डिग्री व शिमला के पास स्थित कुफरी में 4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि राजधानी शिमला में आज न्यूनतम तापमान 6.0 डिग्री रहा। सुंदरनगर में न्यूनतम तापमान 2.6, भुंतर 2.6, पालमपुर 4.5, सोलन 2.8, हमीरपुर 4.0, मंडी 8.1, बिलासपुर 6.0, नाहन 9.7, ऊना 5.5, कांगड़ा 4.5, मनाली 1.9, जुब्बड़हट्टी 7.2, सराहन 5.0, देहरा गोपीपुर 6.0, नारकंडा 2.8 दर्ज किया गया। तटीय व मैदानी क्षेत्रों में प्रचंड ठंड के साथ कोहरे ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। बुधवार सुबह बिलासपुर में दृश्यता घटकर 50 मीटर, सुंदरनगर में 70 मीटर और मंडी में 100 मीटर तक पहुंच गई। मौसम विभाग ने 4 व 5 दिसंबर को मंडी, बिलासपुर सहित निचले क्षेत्रों में सुबह व शाम घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि आज राज्य में मौसम साफ बना हुआ है। राज्य का औसत न्यूनतम तापमान आज सामान्य से 0.6 डिग्री कम दर्ज किया गया, वहीं बीते 24 घंटों में औसत न्यूनतम तापमान में 0.5 डिग्री की कमी दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले दो दिन यानी 5 दिसंबर तक मौसम साफ रहने की संभावना है। 6 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव आएगा और पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी होने के आसार हैं। 7 दिसंबर को मौसम साफ होगा। 8 दिसंबर को फिर ऊपरी इलाकों में बर्फबारी का अनुमान है और 9 दिसंबर को प्रदेश में मौसम के साफ रहने का पूवार्नुमान है।

बिहार के जिलों में लुढ़का पारा, कोहरा और तेज हवाएं मिलकर बढ़ा रहे लोगों की मुश्किलें

पटना : बिहार में बुधवार को दिसंबर माह के तीसरे दिन कई जिलों में कोहरे ने दृश्यता को पूरी तरह से धुंधला कर दिया है। बिहार मौसम सेवा केंद्र ने चेतावनी जारी की है कि बुधवार और गुरुवार को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, भागलपुर, खगड़िया, मुंगेर, बांका, पटना, औरंगाबाद, लखीसराय, सासाराम और कैमूर जैसे 21 जिलों में सुबह-रात कुहासे का साया रहेगा।इस वजह से सड़कें और रेल मार्ग पर भी असर पड़ेगा। बीते 24 घंटों में शेखपुरा में दिन का अधिकतम तापमान 27.1 डिग्री रहा, लेकिन ज्यादातर जगहों पर यह 24-26 डिग्री के बीच अटका रहा। पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी और सहरसा में 8-12 डिग्री का आंकड़ा रहा। दक्षिणी जिलों जैसे गया, नवादा और औरंगाबाद में भी रातें सिहरन भरी हो गईं, जहां छह जिलों का पारा 10 डिग्री से नीचे चला गया। बुधवार को अधिकतम 24-28 डिग्री और न्यूनतम 9-14 डिग्री रहने का अनुमान है, साथ ही बादलों की वजह से धूप में भी नरमी बनी रहेगी। पछुआ हवाओं की रफ्तार 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने से ठंडक और तीखी हो जाएगी, यह दिसंबर भर उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व के हिस्सों में सामान्य से कम तापमान रखेगी। आईएमडी ने शीतलहर की सामान्य घटना का पूवार्नुमान जताया है। यात्रियों को फॉग लाइट जलाने, गति कम रखने की हिदायत दी गई है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा-सोमालियाई कचरा, वह अमेरिका से कहीं और चले जाएं

एजेंसी

वाशिंगटन : राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक में कहा कि वह अमेरिका में एक भी सोमालियाई प्रवासी को नहीं देखना चाहते। यह लोग कचरा हैं। यह सच में अमेरिका में रहने लायक नहीं हैं। उन्होंने यह टिप्पणी कैबिनेट बैठक में की। सोमालियों के खिलाफ यह गुस्सा व्हाइट हाउस की तरफ से पूरे समुदाय के खिलाफ माना जा रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति को सोमालियों के खिलाफ गुस्सा ऐसे समय पर आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को बाहर निकालने की योजना तैयार कर रहा है। यह बैठक दो घंटे तक चली। ट्रंप इस अभियान से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों से भी चर्चा की। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि

रणनीति तैयार की जा रही है।सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, एक संघीय अधिकारी ने कहा कि मिनियापोलिस और सेंट पॉल (मिनेसोटा) में एक नया अभियान शुरू होने वाला है। इस अभियान के दौरान सोमाली प्रवासियों को निशाना बनाया जाएगा। यह अभियान सबसे पहले मिनियापोलिस से शुरू होगा। कैबिनेट बैठक के आखिर में ट्रंप ने यह कहा कि ₹मैं उन्हें अपने देश में नहीं चाहता। उनका देश किसी वजह से अच्छा नहीं है। उनके देश से बदबू आती है और हम उन्हें अपने देश में नहीं चाहते। ट्रंप ने सोमालियाई प्रवासी कम्युनिटी और मिनेसोटा डेमोक्रेटिक रिप्रेजेंटेटिव इल्हान उमर को कचरा कहा। राष्ट्रपति ने कहा उन्हें वहां वापस चले जाना चाहिए जहां से वे आए थे।

अमेरिका की यूक्रेन में ट्रंप के शांति प्रस्तव पर रूस से नहीं बन सकी बात

मास्को : अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलकर स्वदेश लौट रहे हैं। ट्रंप के यूक्रेन में शांति स्थापना का प्रस्ताव लेकर पहुंचे विटकॉफ व अन्य ने पुतिन से करीब पांच घंटे तक चर्चा की। फिलहाल दोनों के बीच युद्ध रुकने के कोई आसार नहीं हैं। प्रतिनिधिमंडल की रूस से बात नहीं बन सकी। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत खत्म होने के बाद इस घटनाक्रम पर पहली प्रतिक्रिया पुतिन के शीर्ष सहयोगी यूरी उशाकोव ने दी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन शांति प्रस्ताव पर अभी बहुत काम करना बाकी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बैठक लगभग पांच घंटे तक चली। यह बैठक वीकेंड में फ्लोरिडा में अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के तुरंत बाद हुई। यूरी उशाकोव ने पत्रकारों से कहा कि बातचीत उपयोगी जरूर रही, लेकिन यूक्रेन में लंबे समय से चल रहे क्षेत्रीय मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई। क्षेत्रीय मुद्दा रूस के लिए ही नहीं अमेरिकियों के लिए भी सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, लेकिन कुछ अमेरिकी प्रस्ताव कमोबेश ठीक लग रहे हैं, लेकिन उन पर बात करने की जरूरत है।कुछ तरीके जो हमें सुझाए गए, वे हमें ठीक लगते हैं। उशाकोव ने जोर देकर कहा, ₹हम यूक्रेन में संकट को सुलझाने के करीब नहीं हैं,और अभी बहुत काम करना बाकी है।₹ उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने हमें पिछले महीने पेश की गई 28 सूत्री शांति योजना के अलावा चार दस्तावेज और सौंपे हैं। यूरी ने यह नहीं बताया कि चार दस्तावेज में क्या है। उशाकोव ने कहा कि रूस और अमेरिका बातचीत की खास विवरण न बताने पर सहमत हुए हैं। उशाकोव ने कहा कि पुतिन और ट्रंप के बीच अभी कोई सीधी बातचीत की योजना नहीं है। पुतिन ने विटकॉफ और कुशनर से ट्रंप को कुछ जरूरी संदेश भिजवाएं हैं। उशाकोव ने कहा कि विटकॉफ और कुशनर अमेरिका लौटने वाले हैं।

सोनिया गांधी ने पर्यावरणीय गिरावट पर जताई चिंता, केंद्र को उपाय सुझाए

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र पर अवैध खनन, वनों की कटाई, पर्यावरणीय कानूनों में ढील, भू-जल में यूरेनियम की बढ़ती मात्रा और दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा जैसे संकटों को जन्म देकर देश को गंभीर पर्यावरणीय आपदा की ओर धकेले का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला को खनन के लिए लगभग खुला छोड़ देना, तटीय और वन कानूनों का कमजोर होना और आदिवासी अधिकारों की अनदेखी सरकार की उन नीतियों का हिस्सा है, जिससे भारत का प्राकृतिक संतुलन तेजी से बिगड़ा है और लाखों लोगों का स्वास्थ्य जोखिम में पड़ा है। सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में कहा कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ों को खनन प्रतिबंध से बाहर रखने का हालिया निर्णय अरावली की 90 प्रतिशत पहाड़ियों के लिए खतरे की घंटी है। यह कदम पहले से ही अवैध खनन से प्रभावित पर्वतमाला को और नष्ट कर देगा।

इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली-एनसीआर में हर सर्दी के साथ बढ़ने वाले स्मॉग को एक स्थायी सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बताते हुए कहा कि केवल 10 शहरों में ही वायु प्रदूषण से हर साल 34 हजार मौतें होती हैं। उन्होंने केंद्रीय भू-जल बोर्ड की हालिया रिपोर्ट पर कहा कि दिल्ली के 13झ15 प्रतिशत भू-जल नमूनों में यूरेनियम की मात्रा सुरक्षित सीमा से अधिक पाई गई है, जबकि पंजाब और हरियाणा में यह स्तर और भी अधिक है। यह स्थिति इस बात का प्रमाण है कि पानी, जंगल और हवा तीनों ही मोर्चों पर भारत तेजी से पर्यावरणीय गिरावट का सामना कर रहा है। सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार की नीतियां संरक्षण से अधिक प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने वन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2023, ड्राफ्ट ईआईए 2020 और तटीय विनियमन नियम 2018 जैसे कदमों को ऐसा फैसला बताया, जिसने पर्यावरण सुरक्षा तंत्र को कमजोर कर दिया है और बड़े कॉरपोरेट प्रोजेक्ट्स को बिना पर्याप्त जांच-परख के आगे बढ़ने का रास्ता साफ किया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों और वनाधिकार कानून को कमजोर करने की प्रवृत्ति भी चिंताजनक है। इन समुदायों ने सदियों से जंगलों और जैव विविधता की रक्षा की है। वन, पहाड़ और तटीय क्षेत्र लगातार संकट में हैं और यदि नीति-निर्माण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पारदर्शिता और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को प्राथमिकता नहीं दी गई तो आने वाले वर्षों में इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि देश को पर्यावरण संरक्षण के लिए नई प्रतिबद्धता की आवश्यकता है जिसमें अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई, वनों की कटाई पर तत्काल रोक, कमजोर किए गए पर्यावरण कानूनों की समीक्षा और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल जैसी संस्थाओं को मजबूत करना शामिल है।

गुरेज में नियंत्रण रेखा के पास लगी जंगल की बड़ी आग पर काबू पाया गया

एजेंसी

श्रीनगर : 28 नवंबर की रात को गुरेज में नियंत्रण रेखा के पास लगी जंगल की बड़ी आग पर काबू पा लिया गया है। बांदीपोरा के जिला फॉरेस्ट ऑफिसर वसीम फारूक ने कहा कि आग जो जमीन पर लगे पेड़-पौधों में फैल गई थी, कई एजेंसियों के मिलकर रात भर चले ऑपरेशन के बाद काबू में आ गई। आग की जानकारी मिलते ही जम्मू-कश्मीर वन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुँच गईं।वसीम ने कहा कि अभियान के लिए भारतीय सेना, फॉरेस्ट प्रोटेक्शन फोर्स, जिला डिजास्टर मैनेजमेंट यूनिट और गुरेज में स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों की मदद की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि कल शाम तक हमने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया था। आज सुबह हमारी टीमें यह पक्का करने के लिए पोछा लगा रही हैं कि कोई जलता हुआ हिस्सा न बचा हो। उन्होंने कहा कि रेंज ऑफिसर नुकसान का अंदाजा लगा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में ये आग आमतौर पर जमीन के लेवल पर झाड़ियों में लगती है। ये शायद ही कभी खड़े पेड़ों को नुकसान पहुंचाती हैं लेकिन जमीन के लेवल पर पेड़-पौधों पर असर डाल सकती हैं। वसीम ने कहा कि गुरेज जैसे टेम्परेट इलाकों में जंगल में आग लगने की कई वजहें चरने वाले जानवरों की छोड़ी गई आग की लपटों से होती हैं,जो कड़ाके की ठंड में खुद को गर्म रखने के लिए छोटी आग जलाते हैं।

छात्रों की समस्याओं को लेकर अभाविप ने मुख्य गेट पर जड़ा ताला

एजेंसी

शाजापुर : मप्र के शाजापुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ता बीकेएसएन कॉलेज में छात्रों की समस्याओं को लेकर जोरदार तरीके से विरोध प्रदर्शन किया है। समस्याओं के समाधान में कॉलेज प्रशासन की लापरवाही से नाराज अभाविप कार्यकताओं ने उक?त आन?दोलन मंगलवार को किया । जिसके चलते कॉलेज के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया गया था। जानकारी के अनुसार, अभाविप ने एक सप्ताह पहले ही महाविद्यालय प्राचार्य को छात्रों द्वारा झेली जा रही मूलभूत समस्याओं का एक ज्ञापन सौंपा था। परिषद का कहना है कि कई समय से छात्रों से जुड़ी महत्वपूर्ण

समस्याएँ कॉलेज प्रशासन के संज्ञान में हैं, परंतु अब तक उनमें किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई। प्रशासन की इस अनदेखी से क्षुब्ध होकर ही परिषद ने प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। अभाविप सदस्यों ने बताया कि कॉलेज के मुख्य द्वार पर लगा नामपट्ट वर्षों से टूटा हुआ है, पर उसे ठीक नहीं किया गया। इसके अतिरिक्त अस्थाई लाइब्रेरी में छात्रों के लिए न तो पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध हैं और न ही बैठने की उचित व्यवस्था है। छात्रों के लिए महाविद्यालय परिसर में बैठने की भी कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है, जिससे उन्हें काफी असुविधा होती है। परिषद का कहना है कि कई बार लाइब्रेरी व्यवस्था को सुधारे जाने की मांग उठाई गई, लेकिन कॉलेज प्रशासन की ओर से सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। इन समस्याओं को लेकर जब कार्यकताओं ने मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया, तो कॉलेज प्रशासन में हलचल मच गई। करीब एक घंटे तक चले इस विरोध के बाद कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य मौके पर पहुंचे और अभाविप सदस्यों से बातचीत की। उन्होंने सभी छात्रों को कक्षाओं में बैठाकर उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। प्राचार्य ने अभाविप कार्यकताओं को आश्वासन दिया कि कॉलेज में मौजूद सभी समस्याओं का समाधान अगले पाँच दिनों में कर दिया जाएगा। प्राचार्य के इस लिखित और मौखिक आश्वासन के बाद अभाविप ने मुख्य द्वार का ताला खोल दिया और प्रदर्शन समाप्त कर दिया। नगर मंत्री पवन गुर्जर ने बताया कि यदि निर्धारित समय सीमा में वादे पूरे नहीं किए गए, तो अभाविप पुनः आंदोलन करने पर विचार करेगा।

साइबर सेल ने ऑनलाइन ठगी के 1.49 लाख लौटाए

मध्य प्रदेश : पुलिस विभाग की साइबर सेल को नवंबर माह में ऑनलाइन ठगी के मामलों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। साइबर सेल की टीम ने विभिन्न मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को कुल 1 लाख 49 हजार 210 रुपये की ठगी गई राशि वापस दिलाई है। जानकारी के अनुसार, साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराने वाले कई नागरिक ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, धोखाधड़ीपूर्ण ट्रांजेक्शन और संदिग्ध लिंक के माध्यम से अपने धन से वंचित हुए थे। शिकायत मिलने पर साइबर सेल की टीम तुरंत सक्रिय हो गई। टीम ने बैंकिंग लेन-देन की गहन जांच, डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण और आवश्यक तकनीकी साधनों का उपयोग करते हुए ठगी गई राशि को चिन्हित किया। इसके बाद कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए संबंधित बैंक और भुगतान प्लेटफॉर्म के सहयोग से राशि को पीड़ितों के खातों में वापस जमा कराया गया। पुलिस विभाग का कहना है कि मौजूदा डिजिटल युग में साइबर अपराधों की घटनाएँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऑनलाइन ठगी के नए-नए तरीके सामने आने के कारण आम नागरिकों को अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। पुलिस ने बताया कि साइबर अपराधों पर नियंत्रण रखना और पीड़ितों को न्याय दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज शेयर बाजार ने सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरूआत की । बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीसीएस, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, एचसीएल टेक्नोलॉजी और एचडीएफसी बैंक के शेयर 1.03 प्रतिशत से लेकर 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर

रहे थे। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, श्रीराम फाइनेंस, मैक्स हेल्थकेयर, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और एनटीपीसी के शेयर 1.62 प्रतिशत से लेकर 1.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,253 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 748 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,505 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 27 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 5 शेयर हरे निशान में और 45 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 12.37 अंक की मामूली तेजी के साथ 85,150.64 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक उछल कर 85,269.68 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि पहले 5 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बिकवाली के दबाव के कारण इस सूचकांक की कमजोरी लगातार बढ़ती गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 282.10 अंक की गिरावट के साथ 84,856.17 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 27.30 अंक टूट कर 26,004.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक रिकवरी करके हरे निशान में 26,066.45 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक में दोबारा लाल निशान में गिर गया। इस बीच खरीदारों ने बाजार को सहारा देने के लिए लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल में सुधार नहीं हो सका। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 104.10 अंक लुढ़क कर 25,928.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 503.63 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 85,138.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 143.55 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,032.20 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

बिहार के अररिया में उत्तर प्रदेश की सरकारी शिक्षिका की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

अररिया : बिहार में अररिया जिले के नरपतगंज के खाबदह कन्हैली शिव मंदिर में बाइक पर सवार दो बदमाशों ने स्कूल जा रही शिक्षिका को गोली मारकर हत्या कर दिया। शिवानी कुमारी मध्य विद्यालय कन्हैली की शिक्षिका थी और वह उत्तरप्रदेश की बाराबंकी की रहने वाली थी। स्थानीय लोगों ने गोली लगने से घायल होने के बाद उसे फारबिसगंज अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया,जहां प्राथमिक इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई और ऑन ड्यूटी चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर नरपतगंज थाना पुलिस समेत फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा घटनास्थल सहित अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली। शिक्षिका शिवानी कुमारी फारबिसगंज अस्पताल रोड में एक भाड़े के मकान में रहती थी और प्रतिदिन फारबिसगंज से नरपतगंज कन्हैली मध्य विद्यालय स्कूल जाती थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के

लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है।पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार बदमाश मौके से फरार हो गए हैं। फारबिसगंज अनुमंडल अस्पताल घायल शिक्षिका को पहुंचाने वाले सुधीर कुमार यादव ने बताया कि शिक्षिका शिवानी मैडम फारबिसगंज में भाड़े के मकान में रहती थी और प्रतिदिन समय पर स्कूल नरपतगंज खाबदह कन्हैली मध्य विद्यालय जाती थी। आज भी बुधवार को वह सुबह नौ बजे के करीब स्कूल जा रही थी। शिव मंदिर के पास स्थित एक दुकान के पास बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उनपर अचानक गोली से फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग की आवाज सुनने के बाद हम ग्रामीण शब्द दौड़कर मौके पर पहुंचे और घायल शिक्षिका को उठाकर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक इलाज के क्रम में ही उनकी मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा, नरपतगंज थाना पुलिस घटनास्थल के साथ ही अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली और मामले की तफ्तीश में जुट गई। एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।शीघ्र ही बदमाश को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण का हुआ शिलान्यास

बोकारो : चास प्रखंड के खामरबेंदी में मंगलवार को उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। यह भवन झारखंड सरकार के 15वें वित्त आयोग मद (स्वास्थ्य विभाग) से स्वीकृत है। शिलान्यास पूर्व मंत्री सह विधायक उमाकांत रजक ने किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक रजक ने कहा कि क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत और सुलभ बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि नए उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से ग्रामीणों को अब प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं गांव में ही उपलब्ध होंगी, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा बेहतर उपचार सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि यह नया भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। इसके पूर्ण होने पर मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, बुनियादी जांच और प्राथमिक उपचार जैसी स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक प्रभावी रूप से लोगों तक पहुंच सकेंगी।

स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल के लिए सरकार और विधायक रजक के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि यह कदम क्षेत्र के स्वास्थ्य व समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष जवाहर लाल महाथा, रामपद रविदास, बाघु रजवार, प्रकाश कुमार शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कोलेबिरा थाना में खड़ी कार को अज्ञात व्यक्ति ने किया क्षतिगस्त, मामला दर्ज

सिमडेगा : जिला कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत कोलेबिरा निवासी किशन कुमार पिता मोतीलाल साहू,अज्ञात व्यक्ति द्वारा मारुति सुजुकी बले नो कार। ख ल्01एअ 2591के शीशे सहित कुछ भाग क्षतिगस्त कर दिया गया है संबंध में कोलेबिरा थाना में मामला दर्ज कराया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन की भांति रात्रि 8बजे अपने घर के पास पार्क किया गया । सुबह 6बजे उठ कर देखने पर कर के शीशे सहित कुछ भागों को अज्ञात व्यक्ति द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इसकी शिकायत कोलेबिरा थाना में कर मामले की जांच के लिए दी गई है। कोलेबिरा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मांगों को लेकर झामुमो जिलाध्यक्ष और जिला सचिव मिले उपायुक्त से

सिमडेगा : विभिन्न मांगो को लेकर झाममो जिला अध्यक्ष अनिल कंडूलना और जिला सचिव मो सफीक खान मिले उपायुक्त से ' पार्टी द्वारा मनोनीत जिला के इछअ-1 की सूची सौंप गया उपायुक्तको ' और लचरागढ़ बाजार समिति को भंग करने का मांग किया गया जिसका समय अवाधि कई सालों से खत्म हो गया है पर अवैध तरीके से समिति को चलाया जा रहा है ।

समिति को भंग करते हुए नया गठन करने की मांग किया गया। उपायुक्त ने कहा कि जनता की सभी छोटी - बड़ी समस्याओं का प्रमुखता से समाधान करने का यथासंभव प्रयास किया जाएगा।

छात्राओं का स्वास्थ्य जांचा, 150 बच्चियों का हुआ हीमोग्लोबिन टेस्ट

जमशेदपुर : रोटरी फेमिना की ओर से मंगलवार को उत्क्रमित उच्च विद्यालय, खुकड़ाडीह में हीमोग्लोबिन जांच शिविर लगाया गया। इसमें कुल 150 छात्राओं का हीमोग्लोबिन स्तर जांचा गया। शिविर का संचालन क्लब की अध्यक्ष डॉ. रेणुका चौधरी की देखरेख में किया गया। उन्होंने छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बरतने, साफ-सफाई से जुड़ी सावधानियों और एनीमिया से बचाव के उपायों की जानकारी दी। जिन छात्राओं का हीमोग्लोबिन स्तर सामान्य से कम पाया गया, उन्हें हरी सब्जियां, दाल, गुड़ सहित आयरन युक्त आहार नियमित रूप से लेने की सलाह दी गई। जरूरत पड़ने पर आयरन की गोलियां लेने का भी निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष डॉ. रेणुका चौधरी के साथ सीमा कुमार भी मौजूद रहीं।

धतकीडीह में बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

जमशेदपुर : धतकीडीह में बाइक चोरी की वारदात सामने आई है। 7 ए ब्लॉक धतकीडीह के निवासी मोहम्मद मेहफूज आलम की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चोरी हुई बाइक उनके मित्र शेख असगर अली की थी, जो सऊदी अरब यात्रा पर जाने से पहले उपयोग के लिए उन्हें देकर गए थे। मेहफूज के अनुसार, सोमवार शाम करीब 6.30 बजे उन्होंने बाइक को घर के सामने सड़क किनारे खड़ा किया था। मंगलवार तड़के करीब 5 बजे जब वे नमाज अदा करने मस्जिद जाने नीचे आए तो बाइक गायब मिली। इसके बाद उन्होंने आसपास खोजबीन की, लेकिन मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। आसपास लगे कैमरों की जांच की गई। फुटेज में रात करीब 11.41 बजे एक युवक मोटरसाइकिल का लॉक तोड़ते हुए और कुछ ही मिनटों में बाइक लेकर भागते हुए साफ दिखाई दे रहा है।

दो दिन बाद निकली धूप से लोगों ने ली राहत की सांस

जमशेदपुर : दो दिनों बाद बुधवार को निकली धूप से लोगों ने रात की सांस ली। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले तीन-चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी लेकिन दिन में धूप रहेगी। बुधवार को न्यूनतम तापमान में 0.6 डिग्री की गिरावट आई। मौसम वैज्ञानिक ने अनुमान लगाया है कि मौसम से धान और हरी सब्जी के फसल को काफी लाभ होगा।

देवघर में बीजेपी का नया कार्यालय बनकर तैयार

संवाददाता

देवघर : जिला के चितोलोढ़िया स्थित ठाड़ी में बने भारतीय जनता पार्टी के भव्य कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा शामिल होंगे। इसे लेकर देवघर में लगातार बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं की बैठकों का दौर जारी है। मंगलवार को भी पूर्व मंत्री रणधीर सिंह, जिला अध्यक्ष सचिन रवानी समेत तमाम नेताओं ने पूरे कार्यालय का निरीक्षण किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे को लेकर कार्यकताओं में उत्साह

निरीक्षण के बाद पूर्व मंत्री एवं बीजेपी नेता रणधीर सिंह ने बताया कि आगामी 5 दिसंबर की शाम राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा देवघर पहुंचेंगे और फिर 6 दिसंबर को पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। पूर्व मंत्री ने कहा कि संथाल क्षेत्र के देवघर में बने इस कार्यालय के बाद कार्यकताओं में खासा उत्साह है।

पार्टी कार्यालय बनने से देवघर के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ संथाल क्षेत्र के हजारों कार्यकताओं को बैठक और किसी भी प्रकार की राजनीतिक कार्यक्रम के लिए जगह ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ेगी। देवघर जिले में बने बीजेपी का भव्य कार्यालय पूरे संथाल के हजारों कार्यकताओं को एक दूसरे से बांध कर रखेगा।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

वही बीजेपी नेता अमित कुमार ने बताया कि संथाल के देवघर जिले में यह कार्यालय खुलने से पार्टी और भी मजबूत होगी। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री के आने से पहले पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन की तरफ से भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। जिले के अधिकारी असामाजिक तत्वों पर नजर रख रहे हैं ताकि केंद्रीय मंत्री के आने के बाद किसी भी तरह के सुरक्षा में कोई चूक ना हो सके।

कार्यकताओं को संबोधित करेंगे जेपी नड्डा

इसके साथ ही बीजेपी नेताओं की लगातार बैठक में संथाल क्षेत्र के हजारों कार्यकताओं का आमंत्रित किया जा रहा है। क्योंकि उस दिन केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा कार्यकताओं को संबोधित भी करेंगे। इसके साथ ही संथाल में पार्टी को कैसे मजबूत किया जाए? इस पर विचार विमर्श भी किया जाएगा।

नया भवन बनने से कार्यकर्ताओं में उत्साह

बता दें कि देवघर में बीजेपी के नए कार्यालय का उद्घाटन हो रहा है, जिसे लेकर पार्टी के कार्यकर्ता इस भवन के बनने से काफी खुश और उत्साहित हैं। बीजेपी नेताओं से मिली जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम में झारखंड के कई पूर्व मुख्यमंत्री शामिल होंगे, जिनमें बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा एवं चंपाई सोरेन सहित कई गणमान्य नेता भी मौजूद रहेंगे।

दुमका में सड़क सुरक्षा पहली प्राथमिकता

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए गए निर्देश का अनुपालन जिला परिवहन कार्यालय तथा सभी थाना के द्वारा शुरू कर दिया गया है। बैठक में उपलब्ध कराए गए ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से प्रतिदिन वाहन चालकों की जांच की जा रही है। उक्त क्रम में जामा थाना तथा हंसडीहा थाना द्वारा शराब का सेवन कर वाहन चालन करते हुए पकड़े गए वाहन चालकों से जिला परिवहन कार्यालय, दुमका द्वारा जुमार्ना राशि वसूली के साथ-साथ उनका लाइसेंस भी सस्पेंड कर दिया गया है। इस प्रकार विगत चार दिनों में कुल 05 वाहन चालकों का लाइसेंस निलंबित किया गया है तथा साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि इस प्रकार की पुनरावृत्ति की जाती है तो उनका लाइसेंस हमेशा के लिए रद्द कर दिया जाएगा। उपायुक्त के निदेर्शानुसार वाहनों की जांच जिला परिवहन पदाधिकारी तथा सभी टश्कके द्वारा भी की जा रही है जहां वाहनों के परमिट, ओवरलोडिंग तथा प्रदूषण मानकों के पालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मानकों और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों से जुमार्ना वसूली भी लगातार किया जा रहा है। माह नवंबर में 15 लाख रुपए से ज्यादा की जुमार्ना राशि वसूल की जा चुकी है जबकि लगभग ₹500000 से ज्यादा की राशि का ऑनलाइन चालान भी निर्गत किया गया है। जिन वाहनों का ऑनलाइन चालान निर्गत किया जाता है उन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से जुमार्ना राशि की अदायगी करनी होती है अन्यथा जुमार्ना राशि अदा नहीं करने की स्थिति में उन वाहनों को ब्लैक लिस्ट करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। साथ ही उपायुक्त द्वारा जिला के सभी दो पहिया वाहन चालकों से यह भी अपील किया गया है कि वे लाइसेंस के साथ तथा वाहन के सभी कागजात के साथ हेलमेट का प्रयोग करते हुए ही वाहनों का परिचालन करें ताकि दुर्घटना की स्थिति में जान-माल के हानि से बचा जा सके।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की आयोजित समीक्षा बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला जल एवं स्वच्छता समिति, दुमका अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में जल जीवन मिशन के तहत प्रमंडल संख्या 01 एवं 02 अंतर्गत पेयजलापूर्ति सभी योजनाओं में आरएमएस इंस्टॉलेशन कराना सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। साथ ही योजनाओं की पूर्ण होने के उपरांत त्रि पार्टी एग्रीमेंट कराना सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। जिन योजनाओं में आरएमएस इंस्टॉलेशन नहीं किया गया है उन्हें पुर्ण कराने हेतु अग्रेतर कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। सभी कनीय अभियंता को निदेश दिया गया कि सभी योजनाओं के आरएमएस दाता प्राप्त कर संबंधित योजना से मिलान करते हुए झर जल पोर्टल पर अपडेशन कराना सुनिश्चित करेंगे। वैसे गांव जहां शत प्रतिशत एफएचटीसी का काम पूर्ण किया जा चुका है एवं लगातार जलापूर्ति की जा रही है उसे चिन्हित करते हुए हर घर जल सत्यापन का कार्य यथा शीघ्र पूर्ण करेंगे। बैठक में कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-02, सभी सहायक अभियंता, सभी कनीय अभियंता एवं सभी जिला समन्वयक उपस्थित थे।

कला कार्निवल 26 दिसंबर से

जमशेदपुर : आर्टिस्ट्स ऑफ जमशेदपुर की ओर से आयोजित कला कार्निवल 2.0 शीतोत्सव 26, 27 और 28 दिसंबर को गोलमुरी फूड प्लाजा मैदान में आयोजित किया जाएगा। यह तीन दिवसीय महोत्सव शहर के कलाकारों, बच्चों, युवाओं और परिवारों के लिए रचनात्मकता, मनोरंजन और संस्कृति का अनोखा संगम पेश करेगा। तीन दिनों में 15 से अधिक प्रमुख कार्यक्रम और 30 से ज्यादा स्टॉल रहेंगे। कार्यक्रम में नृत्य, गायन, मॉडलिंग, चित्रकला, फैशन शो, प्रतिभा खोज, पाक कला, खेल क्षेत्र, कला एवं हस्तशिल्प स्टॉल तथा खानपान स्टॉल जैसी अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

समाजसेवी राम प्रताप वर्मन अलाव की व्यवस्था करने के साथ साथ स्वयं रहते हैं उपस्थित

संवाददाता

चक्रधरपुर के समाजसेवी राम प्रताप वर्मन एक ऐसा नाम है जो लोगों के लिए प्रेरणा है। इन दिनों भीषण और कड़ाके की ठंड में स्टेशन और चक्रधरपुर मुख्य मार्ग पर अलाव की व्यवस्था की गई है। यही नहीं उनके द्वारा ठंड से निजात दिलाने के लिए किए गए यह पुनीत कार्य इसलिए भी काबिले तारीफ है कि वह स्वयं जनसमूह के साथ उपस्थित भी रहते हैं। श्री वर्मन ठंड के मर्म को खुद महसूस करने के साथ साथ लोगों के लिए भी कारगर और उपयोगी पहल किया है जो निश्चित तौर पर सराहनीय और प्रशंसनीय है।

शिक्षा है बहुत ही जरूरी

सभी इसे अवश्य अपनाएं
इसे खुद भी समझें और दूसरों को भी समझाएं

विनय मिश्रा

शिक्षा के महत्व को जाने समझे और पहचाने जिससे ऐसी कोई भी स्थिति उत्पन्न ना हो, शिक्षा और शिक्षित होना क्यों जरूरी है इसे आप भी देखें और समझें क्योंकि जब विधानसभा में नवनिर्वाचित होने के बाद जनप्रतिनिधि के रूप में शपथ लेने के शुभ अवसर आते हैं तब जनप्रतिनिधि बेधड़क शपथ पढ़ने के बजाय रुक-रुक ठहर ठहर कर विचित्र स्थिति उत्पन्न कर देते हैं । शपथ लेने के क्रम में यह बताने के लिए काफी है कि हमें शिक्षित और शिक्षा के महत्व को हमेशा समझनी चाहिए जिससे ऐसी स्थिति उत्पन्न ना हो।

अब भी समय है
क्योंकि जब जागो तब सवेरा
शिक्षा पर है अधिकार सभी का
शिक्षा है अनमोल धरोहर
इससे हमेशा है हमें सरोकर

झारखंड में दिव्यांगजनों की दशा व दिशा

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस (3 दिसंबर) इस वर्ष ‟सामाजिक प्रगति के लिए दिव्यांग-समावेशी समाजों का निर्माण” थीम के साथ विश्वभर में मनाया जा रहा है। यह अवसर हमें झारखंड में दिव्यांगजनों की मौजूदा स्थिति—यानी उनकी दशा—को समझने और बेहतर दिशा तय करने की आवश्यकता की याद दिलाता है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 लागू हुए आठ वर्ष हो चुके हैं, पर झारखंड में इसका प्रभाव अभी भी अधूरा और असमान दिखाई देता है।

दिशाः झारखंड में दिव्यांगजनों की वास्तविक स्थिति

झारखंड में दिव्यांगता से संबंधित नीतियाँ तो विस्तृत हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कमजोर है। 2016 के अधिनियम ने दिव्यांगता की परिभाषा को 21 प्रकारों तक विस्तृत किया, पर राज्य स्तर पर न तो ढाँचागत बदलाव हुए, न सेवाएँ विकसित हुईं। इससे दिव्यांगजन आज भी बुनियादी आवश्यकताओं और अधिकारों से वंचित हैं।

2011 की जनगणना के अनुसार झारखंड में 7.69 लाख दिव्यांगजन दर्ज थे, लेकिन विस्तृत परिभाषा के आधार पर आज वास्तविक संख्या 40 लाख तक पहुँच सकती है। यदि परिवार के सदस्यों को जोड़ दिया जाए, तो लगभग 1.6 करोड़ लोग दिव्यांगता से प्रभावित हैं। इतनी विशाल आबादी के बावजूद राज्य में योजनाओं और सेवाओं की कमी चिंताजनक है।

प्रमाण पत्र और यू.डी.आई.डी. की प्रक्रिया जटिल और अनियमित है। इस कारण पात्र लोग प्रमाण पत्र न मिलने से पेंशन, छात्रवृत्ति, आरक्षण, स्कूटी योजना, सहायक उपकरण और अन्य अधिकारों से वंचित रह जाते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र की स्थिति गंभीर है। अधिकांश विद्यालयों में रैंप, रेलिंग, ब्रेल पुस्तकें, सांकेतिक भाषा व्याख्याता और विशेष शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांग बच्चों के लिए स्कूल पहुँचना भी चुनौती है। इस कारण बच्चों की शिक्षा प्रारंभिक चरण में ही टूट जाती है।

रोजगार के क्षेत्र में स्वीकृत कुल पदों पर 4% आरक्षण लागू करने की जगह राज्य केवल ‟मौजूदा रिक्तियों” पर आरक्षण लागू कर रहा है, जिससे हजारों बैकलॉग पद खाली पड़े हैं। यह अधिनियम का उल्लंघन भी है और दिव्यांग युवाओं के भविष्य से भी खिलवाड़ है।

सामाजिक सुरक्षा के तहत दिव्यांग पेंशन मात्र ₹1000 प्रतिमाह है, जबकि दिव्यांगजन की आवश्यकताएँ सक्षम व्यक्ति की तुलना में कई गुना अधिक होती हैं। यह असमानता नीतिगत असंवेदनशीलता को दशार्ती है।

स्वास्थ्य और पुनर्वास सेवाएँ अधिकांश जिलों में निष्क्रिय या अधूरी हैं। फिजियोथेरेपी, स्पीच और ऑक्यूपेशनल थेरेपी, मानसिक परामर्श तथा सहायक उपकरण वितरण अनियमित है। इससे दिव्यांगजन की कार्यक्षमता, शिक्षा और रोजगार प्रभावित होते हैं।

सुगमता की स्थिति और भी खराब है। लगभग 90% सरकारी भवन सुलभ नहीं हैं। परिवहन सेवाएँ दिव्यांग-अनुकूल नहीं हैं और सरकारी वेबसाइटें स्क्रीन-रीडर के अनुकूल नहीं हैं। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय और रोजगार सभी से दिव्यांगजन दूर हो जाते हैं।

इन सब समस्याओं के बीच सबसे गंभीर है—राज्य दिव्यांग आयुक्त का पद लगभग चार वर्षों से रिक्त होना। यह वही पद है जो अधिकारों की निगरानी, शिकायतों की सुनवाई और विभागीय जवाबदेही सुनिश्चित करता है। इस पद का रिक्त रहना राज्य की संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

दिशाः झारखंड को आगे किस ओर बढ़ना चाहिए

अब आवश्यकता है कि झारखंड दिव्यांगता को ‟कल्याण” के बजाय ‟अधिकार और समान अवसर” की दृष्टि से देखे। सर्वप्रथम प्रमाण पत्र और यू.डी.आई.डी. प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाना होगा, ताकि कोई पात्र व्यक्ति बाहर न रह जाए।

शिक्षा के क्षेत्र में सभी विद्यालयों को दिव्यांग-अनुकूल बनाना, ब्रेल एवं सांकेतिक भाषा सामग्री उपलब्ध कराना, डिजिटल लर्निंग संसाधनों को सुगम करना और विशेष शिक्षकों की नियुक्ति अनिवार्य करनी होगी। शिक्षा मजबूत होगी, तभी दिव्यांग बच्चों का भविष्य मजबूत होगा।

रोजगार में स्वीकृत कुल पदों पर 4% आरक्षण लागू करना और वर्षों पुराने बैकलॉग पदों की भरती करना सबसे आवश्यक कदम है। इससे युवाओं को आत्मनिर्भरता का अवसर मिलेगा और राज्य की जवाबदेही भी स्थापित होगी।

दिव्यांग पेंशन को बढ़ाकर उसे सम्मानजनक स्तर तक लाया जाना चाहिए। दिव्यांगजन दैनिक जीवन, परिवहन, उपकरण और देखभाल पर अधिक खर्च करते हैं—इसलिए ₹1000 पेंशन किसी भी प्रकार से पर्याप्त नहीं है।

स्वास्थ्य और पुनर्वास क्षेत्र में हर जिले में नियमित पुनर्वास केंद्र, सभी प्रकार की थेरेपी सेवाएँ, परामर्श और सहायक उपकरण उपलब्ध होने चाहिए। यह दिव्यांगजन के आत्मनिर्भर जीवन की मूल शर्त है।

सुगमता सुधारने के लिए सार्वजनिक भवनों, परिवहन और सरकारी वेबसाइटों को समयबद्ध योजना के तहत दिव्यांग-अनुकूल बनाना अत्यंत आवश्यक है। यह केवल ढाँचों का नहीं, बल्कि सम्मानजनक और स्वतंत्र जीवन का अधिकार है।

सबसे आवश्यक—राज्य सरकार को तुरंत राज्य दिव्यांग आयुक्त की नियुक्ति करनी चाहिए। यही पद नीतियों को दिशा देता है, अधिकारों की रक्षा करता है और विभागों को जवाबदेह बनाता है।

झारखंड तभी प्रगतिशील कहा जा सकता है, जब दिव्यांगजन उसके विकास के केंद्र में हों। वर्तमान दशा स्पष्ट है—समस्याएँ अनेक हैं और क्रियान्वयन कमजोर है। पर दिशा भी उतनी ही स्पष्ट है—यदि संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता हो, तो झारखंड एक दिव्यांग-समावेशी मॉडल राज्य बन सकता है। दिव्यांगजन दया नहीं, सम्मान और अधिकारों के वास्तविक हकदार हैं। नीतियाँ कागज पर नहीं, लोगों के जीवन में दिखनी चाहिए—यही इस दिवस का सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश है।

— अजीत कुमार
अध्यक्ष, सक्षम झारखंड
दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ता